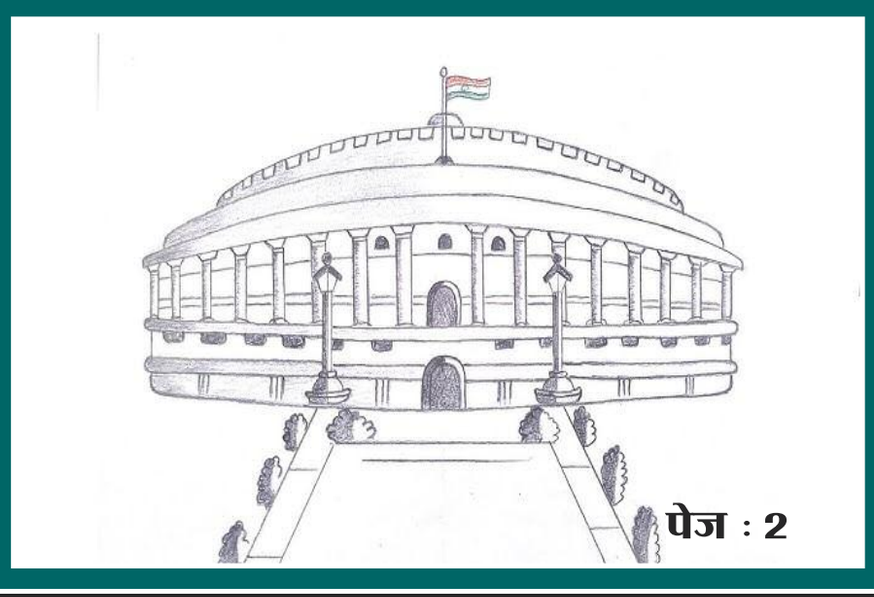

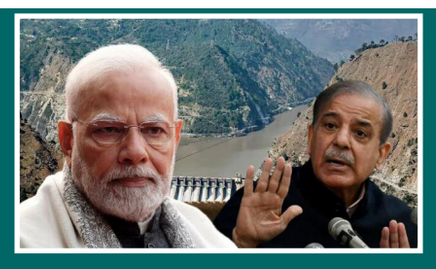

पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, सोमवार, 28 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 33 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

पेज : 2

संक्षिप्त समाचार

जम्मू -कश्मीर में 5 साल में 84 हजार करोड़ का निवेश पर्यटन से 18 हजार करोड़ कमाएं

श्रीनगर/ भव्य खबर। जम्मू -कश्मीर में 2019 के बाद हालात तेजी से सुधर रहे हैं। राज्य की मौजूदा जीडीपी औसत 8.5 फीसदी दर से बढ़ रही है। पिछले 5 सालों में 84 हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव आया है। वहीं 2024 में राज्य को पर्यटन से 18 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिला। जमू-कश्मीर करीब 35 सालों से आतंकवाद झेल रहा है। इसकी वजह से अब तक 40 हजार से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है। साथ ही लाखों लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। इसकी वजह से राज्य की डेमोग्राफी बदल गई। राज्य में हुई हिंसा और अस्थिरता के माहौल का सबसे ज्यादा असर विकास पर पड़ा। 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद राज्य के हालात सुधर रहे थे। लेकिन पहलगाम हमले की वजह से विकास प्रभावित होता दिख रहा है। लॉरेंस मामले में पंजाब के 5 पुलिसकर्मियों का यूटर्न इंटरव्यू मामले में लाई डिटे टर टेस्ट कराने से इनकार चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के पांच कांस्टेबल सिमरनजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, सतनाम सिंह और अमृतपाल सिंह ने पुलिस हिरासत में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के फिल्माए गए इंटरव्यू की जांच के संबंध में लाई डिटे टर टेस्ट कराने से अपनी सहमति वापस ले ली है। उन्होंने दावा किया कि सहमति दबाव में ली गई थी। ये मामला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पुलिस हिरासत में इंटरव्यू रिकॉर्ड करने से जुड़ा है। पहले तो ये सब पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए राजी हो गए थे। मोहाली की एक अदालत ने इसकी इजाजत भी दे दी थी। लेकिन बाद में, उन्होंने एक अर्जी दाखिल की। इसमें उन्होंने कहा कि उनसे दबाव में सहमति ली गई थी। उनकी बातों को सुनने के बाद, मोहाली के एक जज ने टेस्ट की इजाजत देने वाले पहले के आदेश पर रोक लगा दी है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव: अध्यक्ष समेत तीन पदों पर लेफ्ट ने मारी बाजी

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के छात्रसंघ चुनावों में अध्यक्ष समेत तीन पदों पर लेफ्ट ने जीत हासिल की है, जबकि एबीवीपी के खाते में संयुक्त सचिव के पद आया है. बता दें कि आईसा-डीएसएफ गठबंधन कैंडिडेट नीतीश कुमार ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है. नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि हम छात्रों और उनके कल्याण के लिए काम करेंगे. इस पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कैंडिडेट शिखा स्वराज काफी देर तक आगे चल रही थीं. इसके साथ ही जेएनयूएसयू के दो और प्रमुख पदों पर वामपंथी छात्र संगठनों के उम्मीदवारों की जीत हुई है. इसमें मनीषा उपाध्यक्ष और मुन्तेहा फातिमा महासचिव पद पर निर्वाचित हुई हैं, जबकि संयुक्त सचिव का पद एबीवीपी के वैभव मीणा के खाते में गया है. दरअसल वाम गठबंधन ने जेएनयूएसयू चुनाव 2024-25 में अपना दबदबा कायम रखते हुए चार में से तीन शीर्ष पदों पर कब्जा कर लिया है, जबकि एबीवीपी ने बड़ी बढ़त हासिल की. इस चुनाव में नीतीश कुमार (आइसा) अध्यक्ष चुने गए, मनीषा (डीएसएफ) ने उपाध्यक्ष पद जीता और मुन्तेहा फातिमा (डीएसएफ) ने महासचिव का पद हासिल किया. हालांकि, एबीवीपी ने वैभव मीना के विजयी होने के साथ संयुक्त सचिव पद जीतकर एक दशक से चले आ रहे सूखे को खत्म किया. लगभग 5,500 छात्रों ने अपने वोट डाले, इस मुकाबले में लड़ाई आइसा-डीएसएफ, एबीवीपी और एनएसयूआई-फ्रेटरनिटी गठबंधन के बीच थी. काउंसलर चुनावों में एबीवीपी ने 42 में से 23 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया. 1999 के बाद से इसका यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. एबीवीपी ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में जीत दर्ज की और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज और स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज के स्कूलों में बढ़त हासिल की. एबीवीपी की वापसी ने कैंपस की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार किया है.

139 में से 71 हस्तियों को आज पद्म पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली/ भव्य खबर। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों के ऐलान के बाद अब पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज शाम 6 बजे राष्ट्रपति भवन में किया जाएगा. बता दें कि पद्म पुरस्कारों का वितरण दो चरणों में किया जाएगा. इस कड़ी में आज 71 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा. इसमें 4 पद्मविभूषण, 10 पद्मविभूषण और 57 पद्मश्री शामिल हैं. वहीं बचे हुए 68 पद्म विजेता दूसरे चरण में अगले महीने सम्मानित किए जाएंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगी. इस साल 139 व्यक्तियों का चयन पद्म पुरस्कारों के लिए किया गया था, जिनमें 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्मश्री शामिल हैं. 13 व्यक्तियों को मरणोपरांत पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. जिसमें भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा, सुजुकी कंपनी के ओसामु सुजुकी, मनोहर जोशी के नाम भी शामिल हैं. इस बार पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं हैं. लिस्ट में 10 विदेशी, एनआरआई, पीआईओ, ओसीआई श्रेणी के व्यक्ति शामिल हैं.

ईडी ऑफिस में लगी भीषण आग 12 घंटे बाद बुझी, कई दस्तावेज जलकर खाक

मुंबई/ भव्य खबर। साउथ मुंबई के बलार्ड एस्टेट इलाके में शनिवार देर रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय की बिल्डिंग में भीषण आग लग गई. इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. मुंबई फायर डिपार्टमेंट (अग्निशमन विभाग) के एक अधिकारी ने बताया कि कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग में लगी आग को 12 घंटे के लगातार अभियान के बाद दोपहर करीब 2:10 बजे बुझाया गया. इस अभियान के दौरान फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां, पानी के टैंकर और अन्य उपकरण तैनात किए गए थे. यह लेवल-3 की आग थी, जिसे भीषण आग माना जाता है. पांच फ्लोर की बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर लगी आग को बुझाने के क्रम में बिल्डिंग पर चारों ओर से पानी की बौछारें की गयीं. बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का कार्यालय है. मुख्य अग्निशमन अधिकारी रवींद्र अम्बुलगेकर ने बताया कि आग बिल्डिंग की चौथी मंजिल और बीच के फ्लोर तक ही सीमित थी

देश का खौल रहा है खून, दिया जाएगा कठोर जवाब

● मोदी बोले-पहलगाम पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा ● मन की बात में कहा-साजिश करने वाले नहीं बचेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 121वें एपिसोड की शुरुआत पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा- इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। पीएम ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिया। कहा- इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वह किसी भी राज्य का हो, वह कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वह उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे अहसास है कि हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। पहलगाम में हुआ यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है,उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक वाइब्रेंसी थी,

निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया।

● 1917 के 'चंपारण सत्याग्रह' को किया याद

चंपारण सत्याग्रह पर मोदी बोले ये बापू का भारत में पहला बड़ा प्रयोग था। बापू के सत्याग्रह से पूरी अंग्रेज हुकूमत हिल गई थी। मोदी ने इस सत्याग्रह में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ राजेन्द्र प्रसाद को भी याद किया। मोदी ने युवाओं को डॉ राजेन्द्र प्रसाद की किताब 'सत्याग्रह इन चंपारण' पढ़ने की सलाह दी। दांडी यात्रा और जलियांवाला बाग नरसंहार की बात की। मोदी ने कर्नाटक के बागलकोट में रहने वाले श्री शैल तेली जी के मैदानों में सेब उगाने की तारीफ की। वायनाड में एरोपोनिक्स टैकनिक से केसर उगाने में और दक्षिण भारत में लीची उगाने को दूसरे किसानों के लिए प्रेरणादायक बताया।

भारत के युवाओं ने पूरी दुनिया का नजरिया बदला

मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा– भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं। स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला– मोदी बोले भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं। पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा– भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भारत ने मदद में देरी नहीं की।

किश्तवाड़ में आर्मी यूनिफॉर्म की सिलाई-बिक्री पर रोक

● कुपवाड़ा में सिविलियन को गोली मारी, नेवी ने अरब सागर में एंटी-शिप मिसाइलें दागीं

पहलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। किश्तवाड़ में सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है।

जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में अब सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है। यह कदम इलाके की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। प्रशासन ने आदेश दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति सेना की वर्दी नहीं बेच सकेगा, सिल नहीं सकेगा और न ही उसे रख सकेगा। यह नियम शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर नजर रखेंगी। इस

बीच सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिए हैं। कुपवाड़ा के कंडी खास इलाके में अज्ञात हमलावर ने 45 साल के गुलाम रसूल मगरे को उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी। उधर, नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की।

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट, 7 राज्यों में 28 गिरफ्तार

● इनमें 1-1 विधायक, पत्रकार, वकील और 23 स्टूडेंट शामिल देश विरोधी टिप्पणी की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी एडीयूएफ के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल है। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियां हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है। पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी एडीयूएफ से हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी नहीं हैं गंभीर

● खड़गे बोले-सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचे, बिहार में रैली करने में व्यस्त थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को बेंगलुरु में कहा- पहलगाम हमले पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी आना चाहिए था, लेकिन वे नहीं आए। हमने बैठक में सबसे पहले यही सवाल उठाया था। खड़गे ने कहा- जब देश में 26 लोगों मारे गए और कई घायल हों, तब भी पीएम का सर्वदलीय बैठक के प्रति रवैया ठीक नहीं है। उस वक्त मोदी बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने में व्यस्त थे। अगर वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं। पहलगाम हमले को लेकर 24 अप्रैल को पार्लियामेंट एनेक्सी में 2 घंटे तक सर्वदलीय बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने की। अमित शाह, एस जयशंकर, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत कई नेता इसमें शामिल हुए। पहलगाम के नजदीक बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। इनमें एक नेपाली नागरिक शामिल था। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। केंद्र सरकार ने पहलगाम हमले की जांच नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी को सौंप दी।

बीजापुर की पहाड़ियों में माओवाद के खिलाफ शुरू हुआ अभियान

● 7,000 जवानों की घेराबंदी से नक्सली हुए कमजोर, बुरे हैं हालात

रायपुर (एजेंसी)। पिछले छह दिनों से सुरक्षा बलों ने बीजापुर की कर्रेगुट्टा पहाड़ियों को घेर रखा है और पूरी रणनीति के साथ उस पर चढ़ाई कर रहे हैं। यह पहाड़ियां करीब 700 मीटर ऊंची हैं और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर लगभग 20 किलोमीटर तक फैली हुई हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन पहाड़ियों में माओवादी नेतृत्व के प्रमुख सदस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की सबसे खतरनाक इकाई, बटालियन-1 द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दंडकारण्य में यह अभियान 2024 में शुरू हुए नक्सल विरोधी अभियानों का सबसे बड़ा कदम हो सकता है, जिसमें अब तक 363 माओवादी मारे गए हैं और माओवादी नेताओं को पहाड़ियों में खदेड़ दिया गया है। अभियान में शामिल एक शीर्ष अधिकारी ने बताया,यह इलाका पहले गुप्त बैठकों के लिए इस्तेमाल होता था, लेकिन कभी बटालियन का स्थायी ठिकाना नहीं था। लगातार अभियानों ने उन्हें मजबूर कर दिया कि वे इन दुर्गम पहाड़ियों में शरण लें, जहां उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा है।

भारत ने झेलम में छोड़ा पानी, पीओके में फैली दहशत

● नदी का जलस्तर अचानक बढ़ा, मस्जिदों से अलर्ट जारी ● भारत पर जानबूझकर ज्यादा पानी छोड़ने का लगा आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शनिवार दोपहर झेलम नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। इसके बाद अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर स्थानीय लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशासन ने हट्टियन बाला इलाके में वाटर इमरजेंसी की घोषणा की है। वहीं, मस्जिदों से भी लगातार चेतावनी जारी की जा रही है। राजधानी मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर मुदस्सर फारुक ने स्थानीय निवासियों से झेलम नदी नजदीक के इलाकों में जाने से बचने को कहा है। उन्होंने झेलम में ज्यादा पानी छोड़े जाने को भारत की ओर से

जानबूझकर उठाया गया कदम बताया। डिप्टी कमिश्नर फारूक ने कहा कि भारत ने झेलम नदी में सामान्य से ज्यादा पानी छोड़ दिया है, जिस वजह से बाढ़ आई है। अभी घबराने जैसी कोई बात नहीं है। फिर भी हमने लोगों को नदी वाले इलाके से दूर रहने और वहां पर जानवरों को भी न ले जाने की अपील की है। वहीं, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के डायरेक्टर ज्यादा पानी छोड़े जाने को लेकर कहा कि इस मामले में उन्हें कोई पूर्व चेतावनी नहीं मिली थी। उन्होंने आगे बताया कि पानी को मंगला बांध तक पहुंचने में समय लगेगा। फिलहाल निचले इलाके में सुरक्षा उपाय पहले ही लागू कर दिए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुजफ्फराबाद के झेलम में हर सेकंड 22,000 घन फीट पानी बह रहा है।

इससे गारी दुपट्टा, मझोई और मुजफ्फराबाद जैसे इलाकों में रहने वाले लोगों में चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंधु जल संधि के तहत भारत पहले झेलम, चिनाब और सिंधु नदियों में पानी छोड़ने या फिर रोकने के मामलों में पाकिस्तान को सूचित करता था। लेकिन इस बार भारत की तरफ से इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई।

आधार-पैन में अब एक साथ बदलेगा नाम और नंबर

तीन दिन में अपडेट होंगे डॉक्यूमेंट, नहीं काटने होंगे कई दफ्तरों के चक्कर सरकार की यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधार, पैन, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस आदि में नाम, पता, मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए लोगों को अब अलग-अलग दफ्तरों में चक्कर नहीं काटने होंगे। केंद्र सरकार यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए बन रहे पोर्टल पर लोग एक ही जगह पता, नंबर आदि अपडेट कर सकेंगे। सभी जरूरी पहचान पत्रों में यह बदलाव ऑटोमैटिक अपडेट हो जाएगा। यह पोर्टल कैसे करेगा काम पोर्टल को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जैसे सभी पहचान पत्र एक साथ इंटीग्रेटेड रहें। अपडेट के लिए पोर्टल पर जाकर विकल्प चुनना होगा। जैसे- मोबाइल नंबर बदलने के लिए अलग विकल्प, पता बदलने के लिए अलग विकल्प। संबंधित दस्तावेज अपलोड करने होंगे। बदलाव तीन वर्किंग डेज में सभी दस्तावेजों में अपडेट हो जाएगा। बदलाव के साथ नया पहचान पत्र हासिल करने के लिए भी इस पोर्टल पर एक विकल्प होगा। इसके लिए पोर्टल पर शुल्क देने के साथ आवेदन करना होगा। 7 वर्किंग डेज में नए अपडेट के साथ पहचान पत्र डाक के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच जाएगा। जो कार्यालय में जाकर पहचान पत्र हासिल करना चाहेंगे, उनके लिए भी विकल्प।

पति को गोली मारने वाले आतंकी को पत्नी ने पहचाना

● सूरत की शीतलबेन बोलीं-करीब आकर गोली मारी, फिर दो-तीन मिनट तक देखता रहा

सूरत (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसमें सूरत के शैलेश कलथिया भी शामिल थे। शैलेश परिवार के साथ छुट्टी मनाने पहलगाम पहुंचे थे। हमले में शैलेश की पत्नी और बेटा-बेटी बच गए। आतंकियों की तस्वीर सामने आने के बाद शीतलबेन ने उस आतंकी को पहचान लिया, जिसने उनकी और बच्चों के आंखों के सामने पति को गोली मारी थी। जिन चार आतंकवादियों की तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें से दाईं ओर से दूसरे आतंकी ने ही शैलेष के सीने में गोली मारी थी। इन आतंकियों के खिलाफ 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। शीतलबेन ने बताया- जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तब यही आतंकी दौड़कर उनके सामने आकर खड़ा हो गया था। इसके बाद उसने दो-तीन फीट की दूरी से शैलेष के सीने में गोली मार दी थी। शीतलबेन ने बताया कि तस्वीर में नीले रंग का कपड़े पहना आतंकी उस समय हरे रंग का कुर्ता-पायजामा और कोट पहने था। सिर पर टोपी भी थी। उस दौरान उसने कंधे पर एक कैमरा भी टांग रखा था।

हम तो लिबरल थे, पश्चिमी देश लेकर आए जिहाद

● पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के नए दावे से दुनिया भर में खलबली ● पाक रक्षा मंत्री का आरोप-कट्टरता के लिए अमेरिका जिम्मेदार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना है कि उनके देश को कट्टरता के रास्ते पर धकेलने का काम अमेरिका और पश्चिम के देशों ने किया है। आसिफ का कहना है कि पाकिस्तान की लिबरल सोसायटी में जिहाद जैसी अवधारणा पश्चिम ने पैदा की। आसिफ ने 80 और 90 के दशक में अमेरिका की अफगानिस्तान में एंट्री को पूरे क्षेत्र में धार्मिक कट्टरता आने की वजह कहा है। आसिफ ने ये भी माना है कि पाकिस्तान में आतंक को शह मिलती रही है।

पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर उठे सवालों के बीच आसिफ ने ये कहा है। ख्वाजा ने पाकिस्तान में आतंक के सवाल पर कहा कि हमारे देश में तब तक कोई चरमपंथ नहीं था, जब तक वह जिहाद का समर्थन करने के लिए पश्चिमी गठबंधन में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारा समाज कट्टर नहीं था, हमारी सोसायटी बहुत समावेशी थी लेकिन फिर एक माहौल बना कि जिहाद का समर्थन करें। ये दरअसल जिहाद भी नहीं था, ये संघर्ष था।

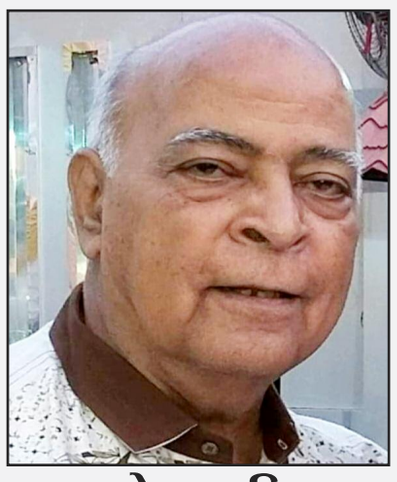

अशोक भाटिया

ख्वाजा आसिफ का स्काई न्यूज को दिया गया साक्षात्कार कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'पूरे इतिहास में पाकिस्तान ने पश्चिम के लिए कई गंदे काम किए हैं। आसिफ ने अमेरिका और ब्रिटेन के लिए पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र चलाने के कारोबार का जिक्र करते हुए कहा, "हम अब उसकी सजा काट रहे हैं। यही नहीं हर घंटे-उनके ऐसे-ऐसे बयान आ रहे हैं, जो उनकी बौखलाहट को साफ बयां करते हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की बौखलाहट

प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी के बाद पाकिस्तान के नेताओं में बौखलाहट है. कोई परमाणु बम गिराने की बात कर रहा है तो कोई भारत को खदेड़ने की धमकी तक दे रहा है. लेकिन सबसे ज्यादा बेचैन पाकस्तिान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ हैं. ख्वाजा आसिफ का स्काई न्यूज को दिया गया साक्षात्कार कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'पूरे इतिहास में पाकिस्तान ने पश्चिम के लिए कई गंदे काम किए हैं। आसिफ ने अमेरिका और ब्रिटेन के लिए पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र चलाने के कारोबार का जिक्र करते हुए कहा, "हम अब उसकी सजा काट रहे हैं। यही नहीं हर घंटे-उनके ऐसे-ऐसे बयान आ रहे हैं, जो उनकी बौखलाहट को साफ बयां करते हैं। अब उन्हें पुलवामा याद आ रहा है, लेकिन वे बालाकोट भूल गए। हम आपको पाकस्तिानी डिफेंस मिनस्टिर के लगातार अलग झ अलग बयान बता रहे हैं, जिससे साफ हो जाएगा कि वो कतिने परेशान हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि पूरा पाकिस्तान अपनी सेना के साथ एकजुट है। हम उसी तरह से कड़ा जवाब देंगे, जैसे हमने पुलवामा की घटना का जवाब दिया था। अगर चीजें बढ़ती हैं, तो कोई भी हमें रोक नहीं सकता है। हालांकि वे एटम बम की धमकी देना नहीं भूले। कह बैठे- अगर भारत पाकस्तिान में जंग हुई तो पूरी दुनिया के लिए खतरा होगा।स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, अगर भारत ने कोई बड़ा हमला किया, तो हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। यह ह्यऑल-आउट वॉरह्ल की स्थिति बन सकती है। दुनिया को इस संभावित युद्ध से चिंतित होना चाहिए। उनका अगला बयान चेतावनी के रूप में था कि अगर भारत पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है, तो पाकिस्तान उसे इसकी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगा।अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को संदेह है कि यह हमला भारत द्वारा खुद को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया ह्यफॉल्स फ्लैग ऑपरेशनह्ल हो सकता है।एक इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने लगभग 30 वर्षों तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए गंदा काम किया, जिससे देश को आतंकवाद का सामना करना पड़ा।पाकस्तिान के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि भारत के कई क्षेत्रों जैसे नागालैंड, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और कश्मीर में विद्रोह चल रहा है, जो भारत सरकार के खिलाफ हैं। उनका बयान न तो पाप की स्वीकारोक्ति है और न ही पाप के लिए पश्चाताप करने वाला बयान है। आसिफ ने पश्चिमी देशों के हाथों अपने पापों को मापने के लिए स-ाक्षात्कार के दौरान कहा। "यहां तक कि अगर आप अब

पाकिस्तान से बात कर रहे हैं, तो पाकिस्तान ने एक समय में आपके लिए बहुत कुछ किया है ..." पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आपको याद दिलाते हैं कि आपने (पश्चिम) क्या किया होता अगर पाकिस्तान ने वह नहीं किया होता जो उसने किया था। इसलिए उनके बयान में एक तरह का 'बताने' वाला लहजा है। इस पर टिप्पणी करने से पहले, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ने इतिहास में पश्चिम के लिए जो किया है, उस पर फिर से विचार करके भारत अलग क्यों है। जरूरी। क्योंकि पाकिस्तान एक मॉडल है कि क्या होता है जब नीति निमार्ताओं की धारणाएं सिर्फ एक भावना, घृणा के इर्द-गिर्द घूमती हैं। 1947 में अपनी स्थापना के बाद से, पाकिस्तान संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत की सोवियत सद्भावना के विकल्प के रूप में शुरू से ही पाकिस्तान को अपनाया है, और पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में एक स्वतंत्र इकाई के निर्माण को महत्व दिए बिना इस अमेरिकी दुविधा का पक्ष लेता रहा। बाद में, दिसंबर 1979 में सोवियत सेना के अफगानिस्तान में प्रवेश करने के बाद, पाकिस्तान अमेरिकी सेना का एक अघोषित आधार बन गया। वे पीछे हट गए और पाकिस्तान उस देश की धुन पर नाचता रहा। पाकिस्तान के जिया-उल-हक जैसे सैन्य राष्ट्रपति ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के वैतनिक सेवक की तरह काम किया। उस समय अफगानिस्तान में तैनात सोवियत सैनिकों को बड़ी संख्या में अफीम की लत में फंसाने के लिए अमेरिका ने कुटिल योजना बनाई और पाकिस्तान ने खुशी-खुशी उस पर अमल किया। यही कारण है कि जनरल जिया के स्विस बैंक लॉकर से सचमुच डॉलर बह रहे थे। स्पष्ट है कि इस गैर-जिम्मेदाराना नीति ने अंततः केवल अमेरिका और पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि उन देशों में अफीम की लत की संख्या में भारी वृद्धि हुई। फिर भी पाकिस्तानी नेतृत्व का इससे कोई लेना-देना नहीं था। बाद में पश्चिम एशिया के रेगिस्तान की उथल-पुथल में भी पाकिस्तान ने बिना किसी गंभीरता से विचार किए अमेरिका को लगातार आगे बढ़ाया और साथ ही धर्म के मुद्दे पर ओसामा बिन लादेन जैसों का संरक्षक भी बन गया। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बदले में कुछ नहीं मिल रहा था। लेकिन जो उपलब्ध था वह पाकिस्तानी नेतृत्व और सेना की जेब में जा रहा था। दुनिया की कई अन्य सेनाओं की तरह पाकिस्तान की सैन्य प्रणाली भी बेहद भ्रष्ट रही है, और कई अन्य सेनाओं की तरह, यह 'देशभक्ति', 'देश के लिए बलिदान' शब्दों के तहत अपने पापों को छिपाती रही है। इसलिए, जैसा कि ख्वाजा आसिफ कहते हैं, एक देश के रूप में पाकिस्तान को इतिहास के काले कारनामों से कोई फायदा नहीं हुआ है। पहला उस समय के हमारे शासकों की दूरदर्शिता है। आज हमारी अंतरराष्ट्रीय ताकत का श्रेय निस्संदेह प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तथाकथित सोवियत प्रेम को जाता है। ये आधे-अधूरे लोग नहीं जानते कि संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्कालीन नेतृत्व की हठधर्मिता ने उन्हें सोवियत रूस की मदद लेने के लिए मजबूर किया। जहां तक कारखानों का संबंध है। आपको इसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी से वंचित कर दिया गया था। आज भले ही अमेरिकी ग्रीन कार्ड लाखों भारतीयों की मुक्ति का रास्ता है, और उस देश में खुशहाली का आनंद लेते हुए भारत माता का प्यार इन अमेरिकी भारतीयों का गला धड़क रहा है, अमेरिका ने अक्सर भारत के साथ कठपुतली जैसा व्यवहार किया है। नतीजतन, पंडित नेहरू और फिर लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी ने अमेरिकी लूंडा के खिलाफ रूसी भूमि का रुख किया, जैसा कि 'लैंडासी और भिद्वा डू लुंड लाओ' की शक्तिशाली रामदासी कहावत में है। न तो हमारे पूर्ववर्ती संयुक्त राज्य अमेरिका और न ही सोवियत संघ के हाथों में गए। पॉइंट। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हमारे विद्वान शासक नेहरू द्वारा निर्धारित मार्ग का अनुसरण करते प्रतीत होते हैं, प्रथम प्रधानमंत्री की महानता की पुष्टि की जा सकती है।

कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई सभी मुद्दों पर कितना असहमत है, आर्थिक स्तर पर राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों का समर्थन करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय तटस्थता तक, पं. इस तथ्य को छिपाना मुश्किल है कि हम अभी तक नेहरू की नीतियों से खुद को दूर नहीं कर पाए हैं, ताकि हमारे शासकों के लिए अपने पूर्ववर्तियों की गलतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करने का समय न आ गया हो। इसके लिए, विद्वान शासक निश्चित रूप से पंडित नेहरू और अन्य लोगों के ऋणी होंगे। वे उन्हें स्वीकार करने की इच्छा दिखाने के लिए पर्याप्त कृतघ्न नहीं हैं। और साथ ही, यह भी उतना ही सराहनीय है कि हमारे पूर्व नेतृत्व ने कभी भी कट्टरपंथियों को पाकिस्तानी शासकों की तरह सिर पर नहीं बैठने दिया। आज पाकिस्तान की हालत का मुख्य कारण यह है कि देश कभी भी धर्म या राजशाही के बीच की प्राथमिकताओं को तय नहीं कर सका; यह इतिहास है कि अमेरिका ने सोवियत रूस के खिलाफ पाकिस्तान को अपने पक्ष में खींचने के लिए बड़ी चतुराई से धर्म का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने सऊदी अरब से लेकर पाकिस्तान तक कई इस्लामिक देशों से अपील की है कि वे "धर्म में विश्वास न रखने वाले कम्युनिस्टों" को रोकने में हमारा समर्थन करें। धार्मिक शक्ति के प्रभाव में रहने वाला पाकिस्तान का नेतृत्व अमेरिका द्वारा फेंके गए इस धार्मिक जाल में फंस गया। जब आप आज इन देशों को देखते हैं, तो आप देख सकते हैं कि यह क्या निकला। भारत, जो इन सभी देशों के साथ स्वतंत्र हो गया, इस सभी उत्पीड़न से बच गया, इसका एकमात्र कारण यह था कि हमारे पूर्वजों ने कभी भी धर्मशास्त्रियों को अपने सिर पर बैठने की अनुमति नहीं दी थी; ऐसा इसलिए क्योंकि आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के पीछे पाकिस्तान के शासकों का धार्मिक मन था और 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद जब अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों पर प्रतिबंध लगाए तो सऊदी अरब समेत कई देशों ने पाकिस्तान को रसद की आपूर्ति जारी रखी। हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह गलतियों को स्वीकार करने का समय है। हालांकि, 'कुछ गलतियाँ...' यह सिर्फ एक स्वीकारोक्ति नहीं है।

संपादकीय

लापरवाही का नतीजा

अमृता आर. पंडित

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की बढक्ऱूती समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व उप्र सरकार को उत्पन्न कचरे का यथार्थवादी मूल्यांकन करने, ठोस अपशिष्ट के 100प्र. संग्रहण व पृथककरण की निगरानी के लिए अधिकारियों को नियुक्त करने का आदेश दिया है। अदालत ने एनसीआर के राज्यों को नियमित अनुपालना रिपोर्ट देने के लिए एक सितंबर का वक्त दिया है। उसके बाद तिमाही अपडेट करने को भी कहा है। अदालत ने इन राज्यों व दिल्ली नगर निगम को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के विषय में जनता को शिक्षित करने का अभियान चालू करने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा है कि जब तक प्रावधानों का उचित प्रचार नहीं किया जाता और गैर-अनुपालन पर दंड़ लागू नहीं किया जाता तब तक प्रभावी कार्यान्वयन मायावी बना रहेगा। अदालत ने धूल प्रदूषण करने वाले निर्माण व विध्वंस उल्लंघन के विषय में बाद में निर्देश जारी करने की भी बात की। कचरे को व्यवस्थित रूप से बायोड़िग्रेडेब्रल, गैर-बायोड़िग्रेडेब्रल व खतरनाक श्रेणी में अनिवार्य रूप से अलग करना पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी है। दिल्ली में प्रति दिन ग्यारह हजार टन से अधिक ठोस कचरा पैदा होता है, जिसमें से आधे को लैंड़फिलों में डंप किया जाता है, जो खतरनाक स्तर पर बहुत पहले ही पहुंच चुके हैं। लैंड़फिलों से निकलने वाली मिथेन गैसों का जलवायु पर भयानक असर होता है। दिल्ली ही नहीं, बनिस्बत नये बसे इलाकों फरीदाबाद, गुरुग्राम व ग्रेटर नोएड़ा भी कचरा प्रबंधन से जूझ रहे हैं। पहले भी शीर्ष अदालत इन इलाकों के कचरे को लेकर रिपोर्ट तलब कर चुकी है। शहरों का विस्तार या नई प्लानिंग के रान अपशिष्ट प्रबंधन की उचित व्यवस्था को सुनिश्चित करने के सख्त नियम बनाने के जरूरत है। भारत सरकार के स्वच्छता मिशन सरीखे अभियान के दस वर्ष पूरे होने के बावजूद इसका कोई असर स्वच्छता पर नजर नहीं आ रहा जिसे लागू करना राज्य सरकारों का जिम्मा है। सरकार को चाहिए कि स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने वाले इंदौर के कचरा प्रबंधन से अधिकारियों को सीख लेने की हिदायत दे। ऐसा मॉड़ल लागू करे जो अपशिष्ट प्रबंधन का उचित दिशा-निर्देशन करे और जनता को जागरूक करने के लिए अन्य विभाग भी मुस्तैद किए जाएं।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

"जातीय सेनाएँ -भारतीय लोकतंत्र पर संकट"

सौरभ लोधी

भारत में स्वतंत्रता के बाद जातीय आधार पर बनी सेनाओं और समूहों ने राजनीति को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। इन संगठनों ने कुछ समुदायों की आवाज अवश्य उठाई, परंतु इसके साथ कई नकारात्मक परिणाम भी सामने आए। रणवीर सेना जैसे संगठनों ने बिहार में सवर्ण और दलित समुदायों के बीच गहरी खाई पैदा की। लक्ष्मणपुर-बाथे और सेनारी जैसे नरसंहारों ने जातीय हिंसा को बढ़ावा दिया और सामाजिक समरसता को तोड़ा। इससे राजनीतिक एकता कमजोर हुई।करणी सेना के प्रदर्शन, जैसे "पद्मावत" के दौरान हुए हिंसक विरोध, ने राजस्थान सहित कई राज्यों में क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाई। राजनीतिक दल इन प्रदर्शनों के दबाव में आकर संकट प्रबंधन में उलझ गए, जिससे शासन की प्राथमिकताएँ बदल गईं।इन संगठनों की गतिविधियों ने समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ाया। इससे राजनीतिक गठजोड़ कठिन हुआ और सामाजिक सहयोग में बाधा आई। राजनीतिक दल जातिगत हितों और दबावों के बीच संतुलन साधने में असमर्थ दिखे।रणवीर सेना की हिंसा ने 1990 के दशक में बिहार में कानून-व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। सरकार को सशस्त्र बलों की मदद लेनी पड़ी और प्रतिबंध लगाने पड़े। इससे प्रशासनिक संसाधनों का भारी दुरुपयोग हुआ।करणी सेना जैसे समूहों के हिंस-ाक प्रदर्शनों ने न केवल मीडिया और सिनेमा पर हमला किया बल्कि लोकतांत्रिक विरोध की परिभाषा को भी विकृत किया। इससे दलों की विश्वसनीयता प्रभावित हुई और अराजकता को बल मिला।इन संगठनों के प्रभाव से जातिगत वोटबैंक की राजनीति को बढ़ावा मिला। दलों ने जातीय संगठनों के पक्ष में या विरोध में रणनीति अपनाई, जिससे राष्ट्रीय हितों की अनदेखी हुई। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए घातक साबित हुआ।नीति निर्माण भी इनसे प्रभावित हुआ। करणी सेना जैसे संगठनों की सा-ंस्कृतिक और आरक्षण संबंधी माँगों ने सरकार पर दबाव डाला, जिससे नीतियों का संतुलन बिगड़ा और कुछ वर्गों को अनुचित लाभ या हानि हुई।इन समूहों के दबाव ने संस्थागत निष्पक्षता को भी चोट पहुँचाई। पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण कहा गया, जिससे लोकतांत्रिक संस्थानों की साख को ठेस पहुँची। न्यायपालिका भी कभी-कभी राजनीतिक दबाव में दिखाई दी।इन संगठनों की क्षेत्रीय और जातीय प्राथमिकताओं ने समावेशी राष्ट्रीय पहचान को चुनौती दी। करणी सेना ने राजपूत गौरव और रणवीर सेना ने सवर्ण वर्चस्व को आगे बढ़ाया, जिससे राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने वाले स्वर प्रबल हुए।इनके उभार से अन्य समुदायों ने भी संगठित होना शुरू किया। जाट, मराठा और पटेल आंदोलनों ने राजनीति में और अधिक विखंडन लाया, जिससे व्यापक राष्ट्रीय मुद्दे पीछे छूट गए और क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ा। हिंसक गतिविधियों के चलते सरकार को सुरक्षा और पुनर्वास पर संसाधन खर्च करने पड़े। बिहार में रणवीर सेना और नक्सलियों के संघर्ष ने ग्रामीण विकास को बुरी तरह प्रभावित किया और निवेशक राज्यों से दूर भागे। अस्थिरता और हिंसा के कारण बिहार, राजस्थान जैसे राज्यों में औद्योगिक और आर्थिक विकास धीमा पड़ा। यह आर्थिक गिरावट अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक अस्थिरता को भी जन्म देती रही। इन संगठनों ने सामाजिक समस्याओं के समाधान में हिंसा को साधन के रूप में प्रस्तुत किया। इससे राजनीतिक नैतिकता का ह्रास हुआ और युवाओं में गलत संदेश गया कि हथियार से बदलाव संभव है। करणी सेना के सांस्कृतिक विरोधों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चोट की। फिल्मों, किताबों, और कलाकारों पर हमलों से लोकतांत्रिक विमर्श बाधित हुआ और राजनीतिक दल सांस्कृतिक विवादों में उलझ गए। हालांकि आज रणवीर सेना जैसे सशस्त्र संगठनों का प्रभाव काफी कम हो गया है और करणी सेना राजनीतिक मंचों तक सीमित हो गई है, लेकिन इनके द्वारा शुरू की गई जातीय राजनीति की परछाईं अब भी दिखाई देती है। सरकार और नागरिक समाज ने इन प्रभावों को कम करने के प्रयास किए हैं। समावेशी नीतियों और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, फिर भी जातीय संगठनों की छाया भारतीय राजनीति में पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। जातीय सेनाओं ने भारतीय लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और विकास की प्रक्रिया को कमजोर किया है। इनकी राजनीति ने न केवल ध्रुवीकरण को बढ़ाया, बल्कि संसाधनों का व्यापक दुरुपयोग कर वोटबैंक की संस्कृति को भी मजबूत किया है। समय के साथ इनका सीधा प्रभाव भले घटा हो, परंतु उनके बीज आज भी नीति निर्माण और सामाजिक संबंधों में उगते दिखते हैं।

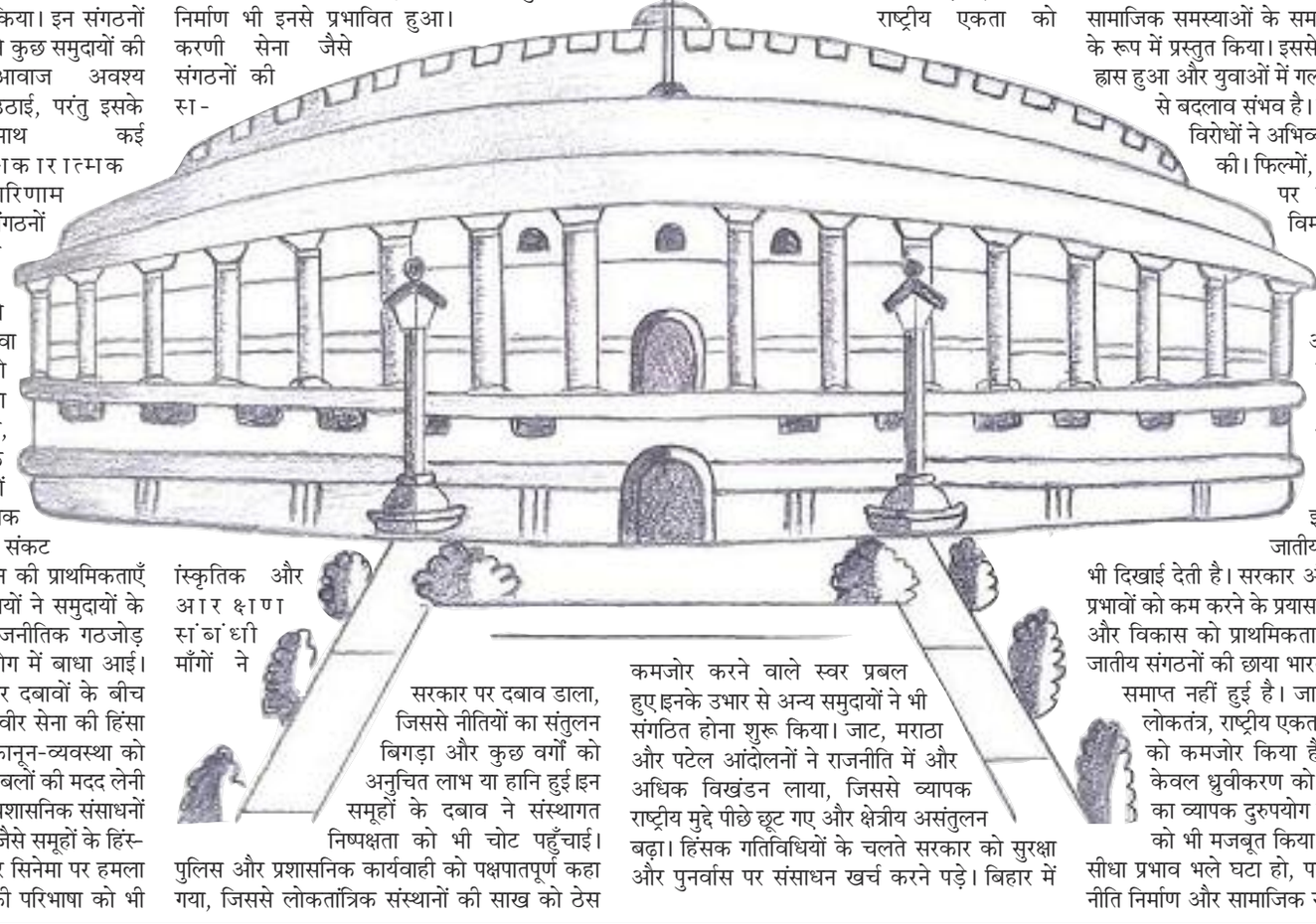

"धर्म, राष्ट्र और फासीवादः इतिहास से चेतावनी"

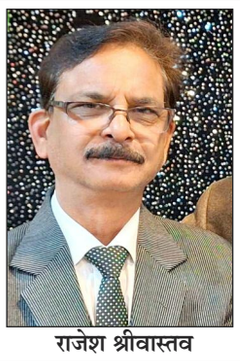

राजेश श्रीवास्तव

जब मनुष्य ने धर्म और राष्ट्र को गढ़ा, तब उसने उन्हें अपने अस्तित्व के सबसे कोमल स्वप्नों से सींचा था – आस्था, आश्रय और अपनत्व के प्रतीक रूप में। पर इतिहास बार-बार गवाही देता है कि वही धर्म, वही राष्ट्र, जब सत्ता के प्यासे हाथों में पड़ते हैं, तो वे प्रेम के पुल नहीं, नफरत की दीवारें बन जाते हैं। और उन दीवारों की नींव में दबती हैं निर्दोष जिंदगियाँ, स्वप्न, आशाएँ। फासीवाद का यह शास्त्र नया नहीं है; यह बार-बार रचा गया है – नए चेहरों, नए नारों, नए झंडों के साथ – पर उसकी आत्मा सदा एक ही रही है: भय फैलाओ, घृणा उगाओ, हत्या को पवित्र बना दो।

11वीं से 13वीं शताब्दी के धर्मयुद्धों में तलवारें 'ईश्वर की इच्छा' के नाम पर भांजी गईं, पर जिन शहरों की गलियों में रक्त बहता था, वहाँ कोई ईश्वर नहीं रोया – केवल स्त्रियाँ रोईं, बच्चे चिल्लाए, बूढ़े जलाए गए। पोप अर्बन द्वितीय के "Deus vult" का उद्घोष मानवता के करुण क्रंदन को दबा न सका। युद्ध के मैदानों में धर्म नहीं बसा था, केवल सत्ता की भूख भटक रही थी।

स्पेनिश इनक्विज़िशन ने भी धर्म की चादर ओढ़कर असहमति का गला घोंटा। कैथोलिक सम्राटों ने ह्लएक धर्म, एक राज्यह्ल के स्वप्न में विविधता के रंगों को कुचल डाला। जो प्रार्थनाएँ प्रेम की भाषा होनी चाहिए थीं, वे यातना कक्षों की गूंज बन गईं। बीसवीं सदी में जब नाजी जर्मनी में हिटलर ने एक राष्ट्र, एक नेता का मंत्र फूंका, तो सभ्यता ने अपनी आत्मा खो दी। नस्लीय श्रेष्ठता की वह विकृत अवधारणा, जिसने लाखों यहूदियों को गैस चैंबरों तक पहुंचाया, हमें याद दिलाती है कि जब पहचान का अभिमान पागलपन में बदलता है, तो इंसान खुद अपने ही हाथों से अपनी दुनिया को जला डालता है।

भारत का विभाजन भी इसी गहरी त्रासदी की एक करुण कथा है। जब धर्म के नाम पर सरहदें खींची गईं, तो हवाओं ने केवल बारूद की गंध और विलाप की चीखें समेटीं। मंटो का तीखा सत्य आज भी कटोरे की तरह हमारे सामने है – कि भूख और हिंसा के बीच धर्म केवल एक तर्क बन कर रह जाता है, इंसानियत कहीं पीछे छूट जाती है। रवांडा में भी वही भूत लौटे। 'हुतु बनाम तुत्सी' का मिथक रचा गया, एक समुदाय को जानवरों से भी नीचे गिरा कर उसके अस्तित्व को मिटा देने का आदेश दिया गया। जब मनुष्यता को विलोपित करने का अभियान 'राष्ट्र रक्षा' कहलाने लगे, तब सभ्यता किस गर्त में गिरती है, रवांडा ने हमें दिखा दिया। फासीवाद का असली चेहरा कोई तानाशाह नहीं होता – वह हम सबके भीतर डर और घृणा की उस बीज का नाम है जिसे सत्ता सिंचती है, पोसती है। वह हमें 'हम बनाम वे' में बाँटता है, हमें हमारे ही भाई से भयभीत करता है, और फिर हमारे हाथों से हत्या करवाकर हमें उसकी पूजा करना सिखाता है। इतिहास हमें चेताता है कि जब हम विविधता से डरने लगते हैं, जब सवाल पूछने वालों को गद्दार ठहराते हैं, जब धर्म और राष्ट्र को किसी एक चेहरे या एक विचार से जोड़ते हैं, तब हम पतन की राह पर चल पड़ते हैं।

आज फिर वही हवाएं चलने लगी हैं। अमेरिका से लेकर म्यांमार, भारत से लेकर चीन तक, पहचान की राजनीति ने फिर अपने नाखून तेज कर लिए हैं। कोई नस्ल के नाम पर वध कर रहा है, कोई धर्म के नाम पर निर्वासन दे रहा है, कोई राष्ट्र के नाम पर असहमति का गला घोंट रहा है। यूनाइटेड नेशंस और यूनेस्को की चेतावनियाँ धुंधली पड़ती जा रही हैं; इतिहास के सबक भुला दिए जा रहे हैं। पर सब कुछ खोया नहीं है। क्योंकि इतिहास केवल त्रासदियों का ही ग्रंथ नहीं है, वह चेतना का भी स्त्रोत है। वही इतिहास हमें राह दिखाता है – कि धर्म में करुणा की लौ को फिर से जलाया जा सकता है, कि राष्ट्रवाद को दमन नहीं, गरिमा का पर्याय बनाया जा सकता है। हमें पहचान की दीवारें तोड़नी होंगी, और उनके स्थान पर सह-अस्तित्व के पुल बनाने होंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि विविधता कोई खतरा नहीं, बल्कि जीवन का सबसे सुंदर सत्य है। आज जब हम धर्म और राष्ट्र के नाम पर उठते ज्वार को देखते हैं, तो जरूरी है कि हम उस आवाज को याद करें जो इतिहास की गहराइयों से हमें पुकार रही है – मत भूलो। मत दोहराओ। जिंदा रहो, इंसान रहो। आओ, उस इतिहास को न रचें जो आने वाली पीढ़ियाँ आँसू बहा-कर पढ़ें। आओ, एक ऐसा भविष्य गढ़ें जो प्रेम, करुणा और स्वतंत्रता के स्वरों से गूंजे, जहाँ धर्म प्रार्थना हो, भय नहीं; जहाँ राष्ट्र आलिंगन हो, दीवार नहीं।

संक्षिप्त डायरी

दिल्ली पुलिस ने आयकर विभाग के कर्मचारी को जबरन वसूली के मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली / भव्य खबर। दिल्ली पुलिस ने आयकर विभाग के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है जो जबरन वसूली और डकैती के एक मामले में कथित तौर पर मुख्य साजिशकर्ता है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। दीपक कश्यप नामक आरोपी अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किये जाने के बाद से एक वर्ष से अधिक समय से फरार था। यह मामला एक अगस्त 2023 का है, जब जनकपुरी के एक व्यापारी ने पुलिस में दी शिकायत में कहा था कि एक महिला समेत सात लोग उनके घर में जबरन घुस आए। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'आरोपियों ने व्यापारी पर आरोप लगाया था कि उसने एक जमीन के सौदे से अपनी आय छुपाई है। फिर उन्होंने व्यापारी के परिवार को डराया-धमकाया और उन्हें बात करने से रोका, जिससे डर का माहौल बन गया। बाद में सीसीटीवी फुटेज से यह पता चला कि कई लोग इस घटना में लिप्त थे और वे एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) में आए थे। जांच से पता चला कि कश्यप ने आयकर विभाग में अपने आधिकारिक पद का फायदा उठाकर पूरी घटना की साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि कश्यप ने अपने सहयोगियों की भर्ती की, जो आयकर विभाग के अधिकारी के रूप में व्यापारी के घर पर आये थे। अधिकारी ने बताया कि कश्यप को शुरू में गिर तार किया गया था, लेकिन बाद में वह जमानत पर जेल से बाहर आ गया और गिर तारी से बचता रहा, जिसके कारण नवंबर 2023 में द्वारका अदालत ने उसे फरार घोषित कर दिया गया था।

हरियाणा का वांछित अपराधी दिल्ली के द्वारका में गिरफ्तार

नई दिल्ली / भव्य खबर। हरियाणा के एक वांछित अपराधी को दिल्ली के द्वारका से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हरियाणा में झज्जर के गुभाना गांव निवासी आरोपी हरीश उर्फ मोनू (27) इस महीने की शुरूआत में गोलीबारी की घटना के बाद से फरार था। इसने बताया कि घटना के बाद गिरफ्तार आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ झज्जर में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि 17 अप्रैल को एक गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस दल ने हरीश को ककरोला नाला के निकट रोका। पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक पिस्तौल, चार कारतूस और झज्जर में हुई गोलीबारी की घटना में इस्तेमाल की गई एक काली थार बरामद की गई। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह के एक बयान के अनुसार हरीश के खिलाफ पहले से ही डकैती, हत्या का प्रयास और अवैध हथियार रखने समेत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान हरीश ने स्वीकार किया कि वह अपराध की दुनिया में नाम कमाना चाहता था।

सीबीआई ने दिल्ली के सादिक नगर में एमसीडी के एरिया इंस्पे टर को घूस लेते रंगेहाथ दबोचा

नई दिल्ली / भव्य खबर। सीबीआई ने राजधानी दिल्ली के सादिक नगर में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सेंट्रल जोन के एक एरिया इन्स्पेक्टर को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिर तार किया है। सीबीआई की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आरोपी एमसीडी सेंट्रल जोन के असेसमेंट एंड कले शन डिपार्टमेंट में एरिया इंस्पे टर के पद तैनात था। सीबीआई ने आरोपी इंस्पे टर के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने शिकायतकर्ता की संपत्ति से संबंधित संपत्तिकर के लिए एनओसी देने के लिए शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बयान के अनुसार, शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी एरिया इंस्पे टर को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को गिर तार कर लिया गया। इस मामले में जांच जारी है। इससे पहले 19 अप्रैल को सीबीआई ने साइबर फ्रॉड से संबंधित एक मामले में एक व्यक्ति को गिर तार किया था, जो दिल्ली जल बोर्ड के लोगो का उपयोग करके अनजान शिकायतकताओं और अन्य पीड़ितों को धोखा दे रहा था। सीबीआई ने 15 अप्रैल को अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि अज्ञात लोगों ने शिकायतकर्ता के डीजेबी का पानी कने शन ठीक करने के बहाने उसके मोबाइल में दिल्ली जल बोर्ड के नाम और लोगो में मैलवेयर/एपीके फाइल इंस्टॉल करा दिया। ठगों ने शिकायतकर्ता को बकाया राशि भुगतान नहीं करने के कारण उसका पानी कने शन काटने का डर दिखाया था। आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता के वॉट्सएप अकाउंट, फाइनेंशियल डेटा और अन्य मोबाइल डेटा को ए सेस किया। इसके अलावा, पीड़ितों के वॉट्सएप अकाउंट का इस्तेमाल मैलवेयर फैलाने के लिए किया जा रहा था। मैलिसियस लिंक से पता चला कि वॉट्सएप अकाउंट में सेंधमारी की एक सीरीज है। दिल्ली जल बोर्ड के लोगो का इस्तेमाल उनके वॉट्सएप अकाउंट में डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) के रूप में भी किया जाता है।

पहलगाम हमले के विरोध में रक्तदान करके जताया विरोध : डॉ.ममता त्यागी

नई दिल्ली / भव्य खबर। सांस्कृतिक राष्ट्र वादी चिकित्सक संघ द्वारा पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष हिंदुओं के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए और कट्टरपंथी आतंकियों को सत संदेश देते हुए विरोध स्वरूप रक्तदान शिविर का आयोजन परफे ट त्यागी अस्पताल दिलशाद गार्डन में किया गया। रक्तदान के माध्यम से सदस्यों ने यह संदेश दिया की हिंदू सदैव अहिंसा का पुजारी रहा है लेकिन आवश्यकता पडड़े अपने प्राण भी न्योछावर करने में भी पीछे नहीं हटेगा। इस अवसर पर संघ की अध्यक्षा डॉ ममता त्यागी ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि देश का हर एक हिंदू इस विभत्स घटना में मारे गए व घायल हुए अपने भाई बहनों के साथ है और आज तो हमने रक्तदान करके विरोध जताया है किंतु आवश्यकता पडड़े पर हमारा रक्त देश के काम आएगा और अपने देशवासियों के लिए हम अपने प्राण भी न्यौछावर कर देंगे।

बाबा साहेब ने हर वर्ग के लिए अपार योगदान दिया : बिधूड़ी

-अम्बेडकर जी ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 27 अप्रैल (वेब वार्ता)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे। उन्होंने हर आम आदमी के हितों की रक्षा से लेकर दलित वर्ग के लिए समानता और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने तक भारतीय समाज में उनके अपार योगदान दिया। वह सच्चे अर्थों में भारत रत्न हैं। बिधूड़ी ने तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में पुल पहलादपुर में हरिकृष्ण वाटिका में आयोजित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान संगोष्ठी में सम्मिलित होकर संबोधित किया। इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भारत का सबसे महान मार्गदर्शक और पथ प्रदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि उनके बनाए संविधान के कारण ही भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने उनके सम्मान में पंचतीर्थ बनाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि व आदर-मान दिया। जनपथ पर डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हजारों लोग उनके जीवन से प्रेरणा ले रहे हैं। उन्होंने जहां दलित वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था की, वहीं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए भी आरक्षण की जरूरत पर जोर दिया। कांग्रेस ने कई वर्षों तक इस व्यवस्था को लागू नहीं होने दिया। तब आरक्षण तब लागू हुआ जब केंद्र में भाजपा के समर्थन से सरकार बनी। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के एस.सी. मोर्चा के अध्यक्ष मोहन लाल गेहरा, दक्षिण दिल्ली जिला भाजपा अध्यक्ष राजकुमार चौटाला जी और निगम पार्षद एवं नई दिल्ली जिला के सहप्रभारी श्री रोहतास कुमार एडवोकेट भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में रहने वाले 5 हजार पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ एक्शन जल्द वतन लौटने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 5 हजार पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की गई है, जिन्हें देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, लिस्ट वेरिफिकेश के लिए संबंधित जिले को सौंप दी गई है और पाक नागरिकों को अपने वतन लौटने के लिए कहा गया है। मिडिल और नॉर्थ ईस्ट जिलों में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक रहते हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हमला हुआ। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई। इसी के बाद अब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने दिल्ली में रहने वाले लगभग 5,000 पाकिस्तानी नागरिकों की लिस्ट दिल्ली पुलिस को सौंपी है ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में पर्यटकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र ने पाकिस्तान को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। हालिया निर्देश के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने दिल्ली पुलिस की एक विशेष शाखा के साथ यह लिस्ट शेयर की है और इसे आगे वेरीफाई और पहचान करने के लिए संबंधित जिले के साथ शेयर किया गया है। इस लिस्ट में हिंदू पाकिस्तान नागरिकों के नाम शामिल हैं जिनके पास दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) है और उन्हें छूट हासिल है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, लिस्ट वेरिफिकेश के लिए संबंधित जिले को सौंप दी गई है और पाक नागरिकों को अपने वतन लौटने के लिए कहा गया है। मिडिल और नॉर्थ ईस्ट जिलों में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक रहते हैं। अधिकारी ने बताया कि इस मामले पर एक मीटिंग बुलाई गई है और दिल्ली पुलिस को मामले पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा और इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों को दिल्ली में रहने वाले इन पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और उन्हें जल्द से जल्द भारत छोड़ने के लिए कहने का काम सौंपा गया है। एक अन्य अधिकारी ने पुष्टि की कि उनके पास दिल्ली में रहने वाले 3000 और 2000 पाकिस्तानी नागरिकों की दो लिस्ट हैं। कुछ ऐसे नाम हैं जो ओवरलैप होते हैं और यह उनके प्रवास के सत्यापन का विषय है क्योंकि कई पाकिस्तानी नागरिक पहले ही जा चुके हैं। सरकार ने बाद में साफ किया कि हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों को पहले से दी गई एलटीवी वैध रहेगी। अनुमान के मुताबिक मजनू का टीला के पास करीब 900 और सिग्नेचर ब्रिज के पास 600-700 पाकिस्तानी लोग रह रहे हैं। शुक्रवार को, एमएचए ने 27 अप्रैल, 2025 से मेडिकल, राजनयिक और दीर्घकालिक वीजा को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा को रद्द करने को लेकर एक आदेश जारी किया। मौजूदा मेडिकल वीजा भी 29 अप्रैल, 2025 के बाद अमान्य हो जाएंगे।

दिल्ली के रोहिणी में झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में रविवार सुबह झुग्गियों में भीषण आग लगने से दो लोगों की झुलस कर से मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें पूर्वाह्न करीब 11:55 बजे घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की 20 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं। इलाके से धुएं का घना गुबार उठता हुआ नजर आ रहा है।' उन्होंने कहा, 'अग्निशमनकर्मी फिलहाल आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अभियान जारी है।' पुलिस के अनुसार, इस घटना में 400 झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने कहा, 'पुलिस और अग्निशमन विभाग की कई टीम तैनात की गई हैं। घटनास्थल पर अब शीतलन अभियान जारी है। दो शव बरामद किए गए हैं।' उन्होंने कहा कि विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

दिल्ली पंचायत संघ ने नवनिर्वाचित महापौर-उपमहापौर से गांवों के हाउस टैक्स माफ करने की मांग तेज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली के नवनिर्वाचित महापौर और उपमहापौर को बधाई देते हुए उनसे दिल्ली देहात और गांवों के लंबित मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है। संघ ने विशेष रूप से हाउस टैक्स माफी के पुराने संघर्ष को पूरा करने की मांग की। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के ग्रामीण इलाकों को वर्षों से उनकी वाजिब मांगों से वंचित रखा गया है। आपने भी गांवों के हित में हाउस टैक्स माफ करने की बात की थी। अब दिल्ली देहात की जनता को राहत देने का समय आ गया है।

दिल्ली पंचायत संघ लंबे समय से दिल्ली के सभी गांवों को मालिकाना हक देने, हाउस टैक्स, कन्वर्जेंस चार्ज और पार्किंग शुल्क से पूर्णतः मुक्त करने, गांवों को भवन उपनियमों से बाहर रखने, रोजगार सृजन के लिए गांवों को व्यावसायिक श्रेणी में शामिल करने और नगर निगम की नौकरियों में ग्रामीण युवाओं के लिए सो फीसद आरक्षण की मांग करता आ रहा है। थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के गांवों का ऐतिहासिक और सामाजिक योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन सरकारी नीतियों में गांवों को हाशिए पर रखा गया। उन्होंने कहा कि अब जब निगम में नई नेतृत्व टीम आई है, तो ग्रामीणों को उम्मीद है कि वर्षों से लटके हुए मुद्दों पर अमल होगा और गांवों को उनका हक मिलेगा।

पंचायत संघ ने महापौर और उपमहापौर से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे को प्राथमिकता दें और दिल्ली के गांवों को प्रशासनिक और आर्थिक बोझ से मुक्त कर स्थायी राहत दें। थान सिंह यादव ने कहा कि इन मांगो को लेकर अभी भी गांव ग्रामीणों में आक्रोश है। गौरतलब है कि दिल्ली के कई गांवों में लंबे समय से हाउस टैक्स समेत अन्य चार्ज लागू किए जाने का विरोध होता रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अभी भी पारंपरिक गांव व्यवस्था के तहत जीवन यापन करते हैं और उनके ऊपर शहरी टैक्स नियमों को थोपना अन्यायपूर्ण है। दिल्ली पंचायत संघ जल्द ही गांव ग्रामीण किसानों के ज्वलंत ओर कई वर्षों से उठाए जा रहे मुद्दो को लेकर दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी ब्रह्म प्रकाश के पैतृक गांव शकूरपुर में महापंचायत बुलाएगा जिसमे सर्वजातिय खाप, सभी ग्रामीण संगठन ओर सभी पंचायते शामिल होगी।

दिल्ली में निकाली गई श्रद्धांजलि यात्रा, पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को नम आँखों से दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा और शोक का माहौल है। इसी भावना के बीच रविवार 27 अप्रैल को मैत्रीबोध परिवार द्वारा राजधानी दिल्ली में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। श्रद्धांजलि यात्रा एम्स गेट नंबर 2, अंसारी नगर ब्लॉक ए से शुरू हुई और साउथ एक्स 2 तक चली। इस दौरान हाथों में तिरंगा थामे, भारत माता की जय के नारों के बीच लोगों ने शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान सभी ने नफरत और विभाजन की ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर चलने का संकल्प लिया। यात्रा का उद्देश्य देश की मिट्टी और एकता के प्रति अपने कर्तव्य को याद दिलाना है। इस मौके पर काजल अग्रवाल, मकरंद देशपांडे, आदित्य नारायण जैसी जानी-मानी हस्तियों ने भी इस पहल का समर्थन करते हुए प्रेम और एकता का संदेश फैलाया।

दिल्ली में 3 दिन आंधी बारिश का यलो अलर्ट चलेंगी 50 की स्पीड वाली हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के मौसम में इस हफ्ते बड़ा उलटफेर होने वाला है। आईएमडी ने दिल्ली के साथ ही एनसीआर के इलाकों में तीन दिन मौसम खराब रहने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग ने दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में तीन दिन तूफानी हवाएं चलने और गरज चमक के साथ हल्की बारिश या बौछरें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है। इससे तापमान में कमी आएगी और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने 28 अप्रैल को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने। साथ ही 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस दिन अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। इसके बाद 29 अप्रैल को दिल्ली के साथ ही एनसीआर में मौसम खराब रहेगा। मौसम विभाग ने 29 अप्रैल को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने। मौसम बिगड़ने के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। कभी कभी हवा की स्पीड बढ़कर 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इस दौरान गरज चमक के साथ हल्की बारिश या बौछरें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। एनसीआर के इलाकों में भी मौसम कमोबेश ऐसा ही रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 30 अप्रैल और पहली मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से हवाएं चलने का यलो अलर्ट जारी किया है।

हालांकि इन दोनों ही तारीखों पर बारिश की संभावना नहीं है। इन दोनों ही दिन तापमान में कमी देखी जाएगी। 30 अप्रैल को दिल्ली में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

क्राइम वर्ल्ड में फेमस होने को 6 नाबालिगों ने युवक को चाकू से गोदकर मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय शाकिर के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर छह नाबालिगों को पकड़ा है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि इलाके में वर्चस्व कायम करने के लिए उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपियों की शाकिर से कोई दुश्मनी नहीं थी। केवल अपना नाम बनाने के लिए आरोपी वारदात की फिराक में घूम रहे थे। इसी दौरान घर के बाहर शाकिर मिल गया। मामूली विवाद होने पर आरोपियों ने शाकिर की हत्या कर दी। पकड़े गए सभी आरोपियों पर इससे पहले कोई भी केस दर्ज नहीं है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि उन्होंने किस गैंगस्टर से प्रभावित होकर अपराध की दुनिया में कदम रखा है। डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि शाकिर घोण्डा के सुभाष मोहल्ले में अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में पिता शहजाद के अलावा अन्य सदस्य हैं। शाकिर अपने पिता के साथ पेपर प्लेट बनाने का कारोबार करता था। शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे शाकिर अपने घर के पास गली में टहल रहा था। इसी दौरान कई लड़कों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को अस्पताल ले जाया चुका है। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिले में चाकूबाजी की वारदात रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन बदमाश लोगों को निशाना बना रहे हैं। कुछ दिन पहले सीलमपुर इलाके में बदमाशों ने कुणाल की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद सांप्रदायिक तनाव और प्रदर्शन जैसा माहौल बन गया था।

दिल्ली की कोर्ट ने इनकम टैक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर और सीए को 3 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने इनकम टैक्स विभाग के एक डिप्टी कमिश्नर और एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को तीन दिन की सीबीआई की कस्टडी में भेज दिया। इन दोनों को कथित तौर पर इनकम टैक्स असेसमेंट के लिए फेसलेस स्कीम में बाधा डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई द्वारा शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए डिप्टी कमिश्नर विजयेंद्र आर और चार्टर्ड अकाउंटेंट डीके अग्रवाल को शनिवार को प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजू बजाज चंदना की अदालत में पेश किया था। कोर्ट ने सीबीआई की मांग पर दोनों को तीन दिन की कस्टडी में भेज दिया। इनकम टैक्स विभाग की फेसलेस असेसमेंट स्कीम से जुड़े एक कथित घोटाले के संबंध में फरवरी में दर्ज की गई एक एफआईआर के बाद शुक्रवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने कोर्ट ने दोनों आरोपियों के लिए सात दिन की पुलिस रिमांड मांगी थी। सीबीआई का कहना था कि इस मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए उनसे आमना-सामना कराना जरूरी है। विजयेंद्र की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट प्रमोद कुमार दुबे ने सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि गिरफ्तारी की जरूरत नहीं थी क्योंकि जांच एजेंसी ने आरोपी को कभी भी जांच के लिए नहीं बुलाया था। उन्होंने कहा कि अधिकारी नवंबर 2024 से सस्पेंड चल रहे हैं और किसी भी सबूत को नष्ट करने या प्रभावित करने की कोई आशंका नहीं है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग के झंडेवालान ऑफिस में तैनात 2015 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी विजयेंद्र को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया, जबकि डीके अग्रवाल को गुजरात के भरूच से गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने कहा कि इस मामले में सीबीआई जांच से पता चला है कि दोनों ने पेंडिंग हाई वैल्यू के इनकम असेसटमेंट मामलों के विभिन्न करदाताओं से संपर्क किया और रिश्वत के बदले में जांच के तहत उनके मामलों में अनुकूल आदेश दिलाने का वादा किया।

डॉ. अम्बेडकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रखा जाएं मौहल्ला क्लीनिकों का नाम : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि मौहल्ला क्लीनिक का नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखने की जगह इसका नाम डॉ. अम्बेडकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रखा जाएं। श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान दिल्ली सरकार के अधिकृत वर्ष 2013-14 में डिस्पेंसरी 450 थी, जिनमें एलोपैथिक, मोबाइल हेल्थ क्लीनिक, स्कूल हेल्थ स्कीम शामिल थी जिनको आम आदमी पार्टी ने बंद करके मोहल्ला क्लीनिक खोल दिए। 2022-23 में घटकर 228 रह गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का मकसद हर गरीब का सही इलाज करना था, लेकिन भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार आम आदमी पार्टी की तरह सिर्फ नाम बदलकर अपनी मोहर लगाने की राजनीति कर रही है, इन्हें मरीजों के इलाज की सुनिश्चितता से कोई सरोकार नही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि 3 महीनों में 70 अरोग्य मंदिर के उद्घाटन का लक्ष्य भाजपा सरकार की जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है क्योंकि 11 वर्षो में आम आदमी पार्टी की सरकार अस्त व्यस्त 545 मौहल्ला क्लीनिक ही खोल पाई, जो लोगों के इलाज के लायक कभी नही थे। भाजपा मुख्यमंत्री जो पीएमओ के निर्देश पर काम करने के लिए बाध्य है, कैसे संभव है कि वो अगले एक वर्ष में 1139 आरोग्य मंदिर खोल सकेंगी, जो औसतन एक विधानसभा में 16 और एक वार्ड में 4 होंगे। भाजपा की घोषणा कि 50 आबादी के लिए एक बड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर जिसमें 50 तरह के टेस्ट, नार्मल डिलीवरी, डेय केयर और 15 हजार आबादी पर छोटा आरोग्य मंदिर बनेगा जिसमें 15 लैब टेस्ट और मुफ्त दवाई देंगे, सब दिल्ली वालां को गुमराह करने वाला है।

फिटजी पर कसता जा रहा शिकंजा अब 4 बड़े अधिकारियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोचिंग इंस्टीट्यूट फिटजी के चार प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत लुकआउट सर्कुलर जारी किए गए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शिकायतकर्ताओं की बड़ी संख्या और पैसे कहां से निकाले गए, इस बारे में अनिश्चितता के कारण एहतियात के तौर पर एलओसी जारी किए गए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि दस्तावेज जुटाना एक समय लेने वाली प्रक्रिया है। एलओसी का मतलब है कि नामित व्यक्ति देश छोड़कर नहीं जा सकते। सूत्रों के अनुसार, फंड के संभावित दुरुपयोग को उजागर करने के लिए जांचकर्ताओं ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से कंपनी के दस्तावेज प्राप्त किए हैं।

आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा नेता विजय गोयल ने जंतर-मंतर पर दिया धरना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश और दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती हुई समस्या को लेकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल के नेतृत्व में दिल्ली की आरडब्लूए व एनजीओ ने रविवार को जंतर-मंतर पर धरना दिया। इस धरने में पूरी दिल्ली से 100 से अधिक आरडब्लूए व एनजीओ ने इसमे भाग लिया।

इस मौके पर विजय गोयल ने कहा कि देश भर में 12 करोड़ से अधिक कुत्ते हैं। अकेले दिल्ली में 11 लाख से अधिक कुत्ते हैं। देश में 20, 000 आवारा कुत्ते हर रोज काट रहे हैं और अकेले दिल्ली में 2000 कुत्ते रोज लोगों को काट रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷आवारा कुत्तों की समस्या अब एक बड़ा मुद्दा बन चुका है. हमारी पहली और सबसे महत्वपूर्ण मांग है कि सभी आवारा कुत्तों की 100 फीसदी नसबंदी की जाए.÷

गोयल ने आगे कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर एक ठोस रणनीति बनानी होगी. यह केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है. बल्कि, देश के हर कोने में यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है. दिल्ली में आवारा कुत्तों का आतंक आए दिन सुर्खियां बनता है. समय-समय पर ऐसे मामले सामने आते हैं. जब ये कुत्ते मासूम बच्चों. बुजुर्गों और राहगीरों पर हमला करते हैं. हाल के वर्षों में इन हमलों में वृद्धि ने आम लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है. खासकर रिहायशी इलाकों में बच्चे और बुजुर्ग इस खतरे के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं. इन परिस्थितियों को देखते हुए विजय गोयल ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने का फैसला किया है.

गोयल ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल प्रदर्शन करना नहीं. बल्कि एक ऐसी व्यवस्था बनाना है. जिससे इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सके. उन्होंने सुझाव दिया कि नसबंदी के साथ-साथ आवारा कुत्तों के लिए विशेष आश्रय स्थल बनाए जाएं और उनकी देखभाल के लिए गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को भी शामिल किया जाए. इसके अलावा. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें. ताकि सरकार और प्रशासन पर दबाव बनाया जा सके.

संक्षिप्त डायरी

छह गांवों को जोड़ने वाली सड़क घटिया निर्माण के भेंट चढ़ी, मिट्टी पर गिट्टी डालकर डाला डामर, दूसरे दिन ही उखड़ी

सुलतानपुर/ भव्य खबर। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का मामला सुलतानपुर के इसौली विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर से सुर्खियों में है। रविवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें दिखाया गया कि सड़क मरम्मत के दूसरे ही दिन उखड़ने लगी है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार, कूरेभार-हलियापुर मुख्य मार्ग से सटे हरौड़ा के पास राधे पंडित का पुरवा से होते हुए यह सड़क बड़ी नहर सतहरी को जाती है। यहां पिछले दस दिनों से सड़क मरम्मत का कार्य चल रहा था। शनिवार को सड़क पर गिट्टी डालकर मरम्मत की गई थी, लेकिन रविवार को देखा गया कि सड़क उखड़ने लगी। यह स्थिति तब बनी, जब गिट्टी को हाथों से उठाने पर वह अलग-अलग हो रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क 5 से 6 गांवों को जोड़ती है और करीब दो किमी लंबी है। इस सड़क का निर्माण पीडब्लूडी के ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है, जो विधायक निधि से बनवाई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता की पूरी तरह से अनदेखी की गई है, क्योंकि मिट्टी के ऊपर ही गिट्टी डालकर उस पर डामर डलवाया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार हुआ है और सड़क की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि दूसरे ही दिन उखड़ने लगी। उन्होंने इस निर्माण कार्य को तुरंत रोकने और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मन की बात में पहलगाम हमले पर बोले पीएम मोदी, पीड़ितों को मिलेगा न्याय

सुलतानपुर/ भव्य खबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि "हमले ने पूरे देश को दुखी किया है, लेकिन आतंकियों को छोड़ा नहीं जाएगा। पीड़ितों को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। जिले में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 1722 बूथों पर 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कराया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने लाखीपुर के बूथ संख्या 301 पर कार्यक्रम देखा और कहा कि "प्रधानमंत्री की बातें युवाओं और देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी समेत कई कार्यकताओं ने शास्त्रीनगर बूथ संख्या 286 पर कार्यक्रम सुना। जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ने बूथ 292,जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार ने बूथ 254 रामलीला मैदान और जिला मंत्री राजेश सिंह ने बूथ 305 कुंदाभैरोपुर पर प्रसारण देखा। कार्यक्रम में एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, सीताराम वर्मा, राजेश गौतम सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देंगी।

जश्न-ए-अबूतालिब अलै. की महफिल में गूंजा इस्लाम का पैगाम, शायरी ने बांधा समां

सुलतानपुर/ भव्य खबर। अजाखाना-ए-हैदरी खैराबाद में शमीम हैदर रिजवी उर्फ शम्मू भाई द्वारा आयोजित "जश्न-ए-अबूतालिब अलै." की महफिल में धर्म, श्रद्धा और शायरी का खूबसूरत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम नमाज-ए-मगरिब के बाद शाम 7 बजे शुरू हुआ।सबसे पहले मौलाना मोहम्मद असकरी खान अमहट ने तकरीर करते हुए कहा कि इस्लाम की बुनियाद को मजबूती देने में हजरत अबूतालिब अलै. का अमूल्य योगदान रहा है। वे नबी-ए-पाक हजरत मोहम्मद साहब के चचा थे और बचपन से ही उन्हें संरक्षण व सहारा देते रहे। जीवनभर उन्होंने मोहम्मद साहब का हर मोड़ पर साथ दिया और इस्लाम को फैलाने में पूरी मदद की। इसके बाद महफिल में रौनक सफीपुरी, डॉ. कमर आबदी, हैदर कोरालवी, शारिब मुस्तफाबादी, शहंशाह सोनवी, रज्मी सुलतानपुरी और चन्दन फैजाबादी जैसे नामचीन शायरों ने अपने-अपने कलाम पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन शफकत अब्बास ने किया, जबकि अंत में शमीम हैदर रिजवी (शम्मू भाई) ने सभी मेहमानों और श्रोताओं का दिल से आभार व्यक्त किया। हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हैदर अब्बास खान ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की और इसे एक धार्मिक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द का प्रतीक बताया।

एक शाम शहीदों के नाम उर्स मुबारक: सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता पर दिया जोर

गोरखपुर/ भव्य खबर। महानगर स्थित मुबारक दरगाह शरीफ पर हजरत मुबारक खान रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स मुबारक के अवसर पर एक शाम शहीदों के नाम का विशेष आयोजन बड़े जोश, श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दीनशीन और चिश्ती फाउंडेशन के चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने अजमेर दरगाह शरीफ से मुबारक गिलाफ पेश किया और मुल्क में अमन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ की। इस भव्य कार्यक्रम में पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील महाराज जी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता लल्लेश रेड्डी, और दरगाह कमेटी अध्यक्ष इकरार अहमद ने विशेष सहभागिता निभाई। देशभर से आए हजारों जाइरीन और श्रद्धालुओं ने एकजुट होकर आतंकवाद और दहशतगर्दी के खिलाफ आवाज बुलंद की और पहलगाम, कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। घायल और उनके परिवारों के लिए विशेष दुआ की गई। हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने अपने संदेश में कहा भारत की रूह मोहब्बत, अमन और भाईचारे में बसती है। अजमेर शरीफ से यही पैगाम है कि हम सभी को इंसानियत और आपसी मुहब्बत को अपना मिशन बनाना है। आतंकवाद और नफरत के खिलाफ हमें एकजुट होकर अपने वतन की हिफाजत करनी है। शहीदों की कुर्बानी हमारे दिलों में हमेशा जिन्दा रहेगी और हमें अपनी आने वाली नस्लों को अमन का सच्चा पैगाम देना है। पीठाधीश्वर श्री गोस्वामी सुशील महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा भारत विश्व में अध्यात्म, प्रेम और सह-अस्तित्व का सबसे बड़ा संदेशवाहक रहा है। आज इस पावन मंच से हम यह संकल्प लेते हैं कि जाति, धर्म और भाषा के भेद को भुलाकर हम सब एकजुट रहेंगे और आतंकवाद जैसी बुराइयों का डटकर मुकाबला करेंगे। शहीदों के बलिदान से हमें प्रेरणा मिलती है कि वतन से बढ़कर कुछ नहीं है। लल्लेश रेड्डी ने अपने विचार रखते हुए कहा गोरखपुर की इस मुबारक सरजमीं से हम वादा करते हैं कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूत करेंगे।

मोदी का विजन और योगी के प्रयास से बदल रही यूपी के स्ट्रीट वेंडर्स की जिंदगी, 19.92 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को मिला पीएम स्वनिधि योजना का लाभ

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना ने उत्तर प्रदेश में सफलता के नए आयाम छू लिए हैं। योजना के तहत यूपी में 100.25 प्रतिशत की प्रभावशाली सफलता दर के साथ अब तक 19,92,242 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य 19,87,330 से अधिक है। कोरोना काल में आर्थिक रूप से टूट चुके रेहड़ी-पटरी व्यवसाई (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए पीएम मोदी के इस विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सतत मॉनीटरिंग के जरिए जमीनी धरातल पर उतारते हुए सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। हाल ही में सामने आई यूपी स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (यूपी एसएलबीसी) की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है।

95 बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं ने बिना गारंटी के वितरित किया लोन

यूपी एसएलबीसी की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पीएम स्वनिधि 2.0 के तहत उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण में 13,22,250 लाभार्थियों को लक्षित किया गया था, जिसमें से 13,90,948 को ऋण वितरित किया गया, जो 105.20 प्रतिशत की उपलब्धि है। इसी तरह द्वितीय चरण में 6,13,350 के लक्ष्य के मुकाबले 5,24,442 लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला, जो 85.50 प्रतिशत है। वहीं तृतीय चरण में 51,730 के लक्ष्य के मुकाबले 76,872 लाभार्थियों को बैंकों ने ऋण प्रदान किया, जोकि 148.60 प्रतिशत की शानदार उपलब्धि है। इस कार्य के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहे 95 बैंकिंग और वित्तीय संस्थाओं ने अपने दरवाजे गरीब पटरी व्यवसाइयों की मदद के लिए खोल दिये। इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले टॉप फाइव पब्लिक सेक्टर के बैंकों में क्रमशः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (5,59,458), पंजाब नेशनल बैंक (3,01,287), बैंक ऑफ बड़ौदा (2,88,824), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

(1,94,873) और इंडियन बैंक (1,69,950) शामिल हैं।

आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों का बढ़ा आत्मसम्मान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से इस योजना को प्रदेश के हर कोने तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति अपनाई गई। उनके नेतृत्व और सतत मॉनीटरिंग में सरकार ने न केवल लक्ष्य से अधिक लाभार्थियों को योजना से जोड़ने में कामयाबी हासिल की, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि यह लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। यही कारण है कि पीएम स्वनिधि योजना को धरातल पर उतारने के मामले में यूपी देश में पहले पायदान पर है। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों की सिद्धि के लिए हर मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर विशेष जोर देकर कहा कि पीएम स्वनिधि योजना न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह छोटे व्यवसायियों और रेहड़ी-पटरी वालों के आत्मसम्मान को भी बढ़ाती है। बता दें कि योजना 1 जून 2020 को शुरू की गई थी और इसका लक्ष्य पात्र रेहड़ी-पटरी वालों को बिना किसी गारंटी 10,000 रुपये तक का प्रारंभिक ऋण, समय पर चुकाने पर 20,000 रुपये और फिर 50,000 रुपये तक का ऋण प्रदान करना है। योजना के तहत 31 दिसंबर 2024 तक 19,92,242 लाभार्थियों को लाभ मिल चुका है। 31 दिसंबर के बाद फिलहाल नये आवेदन नहीं लिये जा रहे हैं।

अन्नदाता को सशक्त बनाकर गांवों में खुशहाली ला रही डबल इंजन सरकार

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार खेती किसानी को फायदे का सौदा बनाने की तैयारी कर रही है। इसी के साथ डिजिटल खेती को भी नए रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। खेती के डिजिटलीकरण के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। यूपी में खेती-किसानी को फायदे का सौदा बनाने के लिए केंद्र सरकार 550 करोड़ रुपए खर्च करेगी। योगी सरकार का दालों समेत विभिन्न खाद्यान्न फसलों की नई हाईब्रिड किस्मों पर फोकस है। इसी के साथ पैदावार बढ़ाने और फसलों को बीमारियों और कीड़ों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाने की तैयारी है। सिंचाई और जल बचत उपकरण के साथ कृषि मशीनरी को यूपी सरकार विकसित करेगी। डबल इंजन की सरकार इन योजनाओं के सहारे गांवों में खुशहाली लाने की तैयारी कर रही है।

जैव-फोर्टिफाइड किस्मों की फसलों पर रहेगा जोर

केंद्र सरकार ने यूपी के लिए कृषोन्नति योजना के अंतर्गत धन आवंटन किया है। जिसमें 2025-26 के लिए वार्षिक आवंटन (केन्द्रीय हिस्सा) के तहत 550 करोड़ से अधिक की राशि मिलेगी। केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं को रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत धनराशि खर्च करती है। इसके तहत जैव-फोर्टिफाइड किस्मों की फसलों, जलवायु के अनुकूल और हाइब्रिड उपज पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इन फसलों की खेती करने वाले जिलों को निधियों के विवेकपूर्ण आवंटन के लिए रणनीति विकसित की जाएगी। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से मुख्य सचिव के साथ कृषि सचिव उत्तर प्रदेश को पत्र भेजा गया है।

केंद्र सरकार ने इस तरह किया है धन आवंटन

कृषि विस्तार के लिए 14000 लाख रुपए
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के लिए 13129 लाख
बागवानी के एकीकृत विकास के मिशन के लिए 8500 लाख
बीज के लिए 2200 लाख
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन के लिए 4100 लाख
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम के लिए 66 लाख
राष्ट्रीय बांस मिशन के लिए 400 लाख
डिजिटल कृषि के लिए 12609 लाख
कुल मिलाकर 550 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

शाहजहांपुर में बनी देश की पहली नाइट लैंडिंग हवाई पट्टी, फाइटर प्लेन भी कर सकेंगे अभ्यास

<<< गंगा एक्सप्रेसवे से खुलेगा विकास का द्वार <<<

शाहजहांपुर/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का रविवार को निरीक्षण किया। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे आवागमन सुरक्षित होगा और किसी भी अपराधिक वारदात की आशंका पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार की बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि इसे प्रयागराज से गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। साथ ही मेरठ को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। शाहजहांपुर में एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक हब बनाने की योजना है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे को फरुर्खाबाद से लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए बुंदेलखंड से जोड़ा जाएगा। इससे बुंदेलखंड में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिलेगी। योगी ने विश्वास जताया कि गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

जेई ने महिला अफसर का नाम लेकर गाना गाया, सस्पेंड

बुलंदशहर। जेई ने महिला एसडीओ का नाम लेकर गाना गाया। वीडियो देखते ही महिला अफसर भड़क गईं। उन्होंने एमडी से शिकायत कर दी। एमडी ने शनिवार को जांच के बाद जेई को सस्पेंड कर दिया। 8 अप्रैल को बुलंदशहर से बिजली विभाग के 30 जेई प्रदर्शन के लिए लखनऊ गए थे। बस में बिजली कर्मचारियों ने 'दे दे प्यार दे' गाने पर डांस किया। जेई संजीव कुमार ने भी ठुमके लगाए। इस दौरान संजीव ने महिला अफसर का नाम लेकर डांस किया।कर्मचारियों ने इसका वीडियो बना लिया और महिला अफसर को भेज दिया। इसके बाद महिला अफसर ने मेरठ जाकर एमडी से शिकायत की। महिला एसडीओ और जेई संजीव दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं। संजीव महिला एसडीओ के अधीनस्थ जेई है। महिला एसडीओ का पति भी बुलंदशहर में कृषि विभाग में तैनात है। 8 अप्रैल को लखनऊ में निजीकरण के खिलाफ बिजली

विभाग के कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन किया था। इसमें बुलंदशहर से 30 जेई बस बुक कर लखनऊ गए थे। रास्ते में बस में गाने पर डांस किया। वीडियो में दिख रहा है कि जैसे ही बस में 'दे दे प्यार दे' गाना बजता है, एक जेई सीट से उठकर डांस करने लगता है। वह जेई संजीव को भी खींच लेता है और दोनों डांस करने लगते हैं। इसके बाद 4-5 जेई और डांस में शामिल हो जाते हैं। इसी बीच संजीव सीट पर बैठ जाता है। वह महिला एसडीओ का नाम लेकर हाथ उठाकर डांस करने लगा, लेकिन किसी ने उसे रोका नहीं, बल्कि तालियां बजाकर उसका साथ दिया।

एक देश, एक चुनाव से आयेगी स्थिरता : धर्मेन्द्र सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। एक देश, एक चुनाव विकसित भारत की आधारशिला है और यह एक मजबूत और स्थित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण कारक साबित होगा। एक देश एक चुनाव संविधान की मूल भावना को दोबारा स्थापित करने वाला कदम है। यह केवल चुनाव खर्च और आचार संहिता तक सीमित विषय नहीं बल्कि यह देश की राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और विकास को नई दिशा देने का माध्यम है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद डॉ धर्मेंद्र ने रविवार को पडरौना के एक होटल में आयोजित एक देश एक चुनाव प्रबुद्ध सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 1952 से लेकर साल 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ ही होते आए। कांग्रेस परिवार में जब अस्थिरता के बादल छाने लगे तो पार्टी ने उस अस्थिरता को देश पर भी थोप दिया। संविधान को दरकिनार करते हुए साल 1972 में

होने वाला चुनाव 1971 में करवा दिया। श्री सिंह ने कहा कि एक देश एक चुनाव को लेकर बड़े पैमाने पर जन जागरण की जरूरत है। राजनीतिक स्थिरिता के लिए इसे जरूरी बताते हुए उन्होंने बताया कि बार-बार होने वाले चुनाव से देश की जनता पर पर 3.5 से 4.5 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ता है । आर्थिक बोझ के साथ साथ विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। पडरौना विधायक विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि वर्तमान चुनाव प्रणाली में देश में वर्ष में पांच से छह चुनाव कराए जा रहे हैं। बार-बार चुनाव कराने से देश चुनावी मोड़ में रहता है। इससे देश पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। यूएनपीजी की प्राचार्या डॉ ममता मणि त्रिपाठी ने कहा कि एक देश एक चुनाव व्यवस्था बेहद कारगर साबित होगी। बार-बार चुनाव पर होने वाले अंधाधुंध खर्च में कटौती करके उस पैसे को देश के विकास और लोगों के कल्याण पर खर्च किया जा सकेगा। इसमें प्रबुद्ध वर्ग अहम भूमिका निभा सकते हैं।अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल एक साथ चुनाव स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते यह विषय जनता के बीच में आ गया है। हम जनता से अपील करते हैं कि अगर वें एक देश एक चुनाव के पक्ष में हैं और पैसे की बबार्दी से बचना चाहते हैं, तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक अपना समर्थन भेजें।सम्मेलन को पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र, अभियान संयोजक पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने सम्बोधित किया। संचालन जिलामंत्री विवेकानंद शुक्ल द्वारा किया गया। इस अवसर पर दीपनारायण अग्रवाल, शिवकुमारी देवी, आनन्द उर्फ बासुकी गुप्ता, जगदम्बा अग्रवाल, मीनू जिंदल, अजय सर्राफ, संजय टिबड़ेवाल, अंशुमान बंका, अमन बंका, अतुल टिबड़ेवाल, डॉ मृगेन्द्र राव, डॉ शैलेन्द्र तिवारी सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

कुशीनगर में दिवंगत सपा नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि, परिजनों को दी सांत्वना

संवाददाता

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कुशीनगर पहुंचे और सपा के दिवंगत पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती और जिलाध्यक्ष रहे मरहूम शुकरुल्लाह अंसारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। रविवार को सपा सुप्रीमों गोरखपुर एयरपोर्ट से कुशीनगर हाटा सड़क मार्ग से पहुंचे और मदनी मस्जिद के पक्षकार मरहूम हाजी शाकिर अली खां निधन के बाद उनके घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नेबुआ नौरंगिया के पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती के

ब्रह्मभोज में पहुंचकर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम जिलाध्यक्ष रहे मरहूम शुकरुल्लाह अंसारी के चालीसवीं के अवसर पर उनके गांव सखवनिया खुर्द झुंगवा पहुंचकर श्री अंसारी के चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। मरहूम सपा नेता की पत्नी और बेटे को सांत्वना दी और बेटी रुबीना की पढ़ाई में सहयोग का वादा किया। इस दौरान पूर्व मंत्री ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, कुशीनगर विधानसभा के पूर्व सपा प्रत्याशी राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव, इलियासअंसारी, पथरदेवा से प्रत्याशी रहे परवेज आलम, ब्लॉक प्रमुख अमरजीत यादव, विक्रमा यादव, पुरंदर प्रताप यादव, रणविजय सिंह मोहन, ब्लॉक प्रमुख दिग्विजय सिंह लक्ष्मण, शाहिद लारी, अधिवक्ता सभा के अध्यक्ष एडवोकेट उदयभान यादव, बबलू गाजी, आशिक अली कन्हैया कुमार मौर्य, एके बादल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख हसमुद्दीन अंसारी, डॉ पीके राय, कलामुद्दीन अंसारी, अजय सिंह पटेल, मुन्ना यादव, वाजिद अली, जाकिर हुसैन, डॉ परशुराम कुमार पटेल, हैदर अली, नितेश वर्मा, हीरालाल यादव, चंद्रजीत यादव, सनौउवर अंसारी, रौनक सिंह, अभिषेक ठाकुर सहित भारी संख्या में सपाई मौजूद रहे।

स्वस्थ्य नागरिक ही कर सकता है सशक्त भारत का निमार्ण: राकेश जायसवाल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बीएड विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्यअतिथि नगर पालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि योगासन के निरंतर अभ्यास से तन और मन स्वस्थ्य रहता है। स्वस्थ्य नागरिक ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। स्वस्थ्य रहने के लिए योग का अत्यंत महत्व है। समारोप सत्र की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुई। अतिथियों का परिचय और स्वागत बीएड विभागाध्यक्ष प्रो विभ्राट चंद कौशिक ने किया। बीएड प्रशिक्षुओं के योग प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आपने बताया कि यह प्रशिक्षण बीएड पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग है। कार्यक्रम का संचालन डॉ निगम मौर्य ने किया जबकि आभार ज्ञापन प्रशिक्षण शिविर के संयोजक डॉ दुर्ग विजय पाल सिंह ने किया। इस अवसर मुख्य प्रशिक्षक डॉ राकेश सोनकर, सहायक प्रशिक्षक बिंदु गुप्ता समेत प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

'इन दो पाकिस्तानी नागरिकों को नहीं छोड़ना होगा भारत'- भोजपुर एसपी ने क्यों कही यह बात

भोजपुर। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों को यहां से जाने का आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश जारी होते ही पाकिस्तान से आये उन सभी लोगों की पहचान करनी शुरू कर दी गई है। भारत में लम्बे समय से रह रहे पाकिस्तान के नागरिकों को पाकिस्तान भेजने का दवाब बनाया जा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदेश का भोजपुर की दो महिलाओं पर कोई असर नहीं होगा। इस बात की जानकारी भोजपुर के एसपी ने दी है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी राज ने बताया कि कोईलवर निवासी वसीर अहमद के पुत्र आमिर ने पाकिस्तान के कराची निवासी आंसमा से अक्टूबर 2018 में पाकिस्तान के कराची में निकाह किया था। वह 22 जुलाई 2019 को 60 दिनों के वीजा पर भोजपुर के कोईलवर में पति के साथ पहुंचीं, जिसके बाद सितंबर-2019 को पाकिस्तान चली गई। 2020 में 45 दिनों के वीजा पर फिर भारत आई। इसके बाद आसमां नौरी वीजा पर 16 सितंबर 2022 को पाकिस्तान गई और पांच दिसंबर 2022 को पाकिस्तान से भारत आई। इसके बाद से वह यहीं हैं। आसरी बेगम का वर्ष 2032 तथा और आसमां का वर्ष 2027 तक का वीजा है। वहीं दूसरी ओर, शाहपुर में रह रहीं पाकिस्तानी नागरिक आसरी बेगम शाहपुर प्रखंड के शिवपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर तीन कनैला गांव निवासी आलमगीर कुरैशी की पत्नी हैं और करीब 30 वर्षों से वीजा बढ़ा-बढ़ा कर यहां रह रहीं हैं। आसरी बेगम की कुल पांच संतान हैं, जिसमें चार लड़की और एक लड़का है। दो बेटियों का निकाह भी भारत में ही हो चुका है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी राज ने बताया कि दोनों के निकाह की दिलचस्प कहानी है। वर्ष 1947 में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के समय रानीसागर एवं कनैला से कुछ परिवार पाकिस्तान चले गए थे। उनमें से कुछ परिवार 1995 के आसपास एक शादी में शामिल होने के लिए यहां पर आए थे। सभी लोग दो महीने के वीजा पर पाकिस्तान आए हुए थें। इसी दो महीने के वीजा के दौरान ही आसरी बेगम एवं आलमगीर कुरैशी का निकाह हो गया था। तब से लेकर आज तक कई बार आसरी बेगम एवं उनके पति द्वारा गृह मंत्रालय में अपनी नागरिकता को लेकर आवेदन दिया जाता रहा है, लेकिन नागरिकता नहीं मिली, लेकिन वीजा की अवधि बढ़ती चली गई। इस मामले में भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने बताया कि इन दोनों पाकिस्तानी महिलाओं के पास लंबे अवधि तक का वीजा है। इसलिए वह यहां रह सकती हैं। ऐसे में भारत सरकार के द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के सारे वीजा को रद्द कर तीन दिनों में भारत खाली करने का आदेश दिया गया था। लेकिन भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज के ने कहा कि ये दोनों पाकिस्तानी महिलाएं यहां रह सकती हैं।

संक्षिप्त डायरी

2025 के बाद पाकिस्तान धरती से खत्म हो जाएगा: सांसद निशिकांत दुबे

देवघर/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने हाल ही में पहलगाम में हुए अटैक पर पाकिस्तान को लेकर टिप्पणी की है. पाकिस्तान की तरफ से पहलगाम में किए गए आतंकी हमले को लेकर निशिकांत दुबे ने कहा, साल 2025 तक पाकिस्तान नामक देश का नाम पृथ्वी से खत्म हो जाएगा. दरअसल, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दुमका-देवघर लाइन पर देवघर और मोहनपुर रेलवे स्टेशनों के बीच प्रस्तावित महेशमारा हॉल्ट की आधारशिला रखी. इसी दौरान उन्होंने पहलगाम अटैक को लेकर बात की. बीजेपी सांसद ने महेशमारा हॉल्ट की आधारशिला रखते हुए सभा को संबोधित करते हुए कहा, यह मोदी की गारंटी है झ आपको इस पर भरोसा करना चाहिए. मोदी जी जो भी कहते हैं, आपने उसे हमेशा सच होते देखा है. इसी के बाद सांसद ने पहलगाम अटैक का जिक्र किया. उन्होंने कहा, मैं यह कह सकता हूं कि आज जो देश के हालात है और जिस ढंग से हिंदुस्तानियों को खासकर हिंदूओं को चुन-चुन कर मारा है पाकिस्तानी आर्मी ने, आज मैं यहां से आपको बोल कर जा रहा हूं कि बिहार में जो माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि सब आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे, साल 2025 के बाद इस धरती पर से पाकिस्तान नामक देश खत्म हो जाएगा. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 मार्च को आतंकी हमला हुआ. इस अटैक में 26 टूरिस्ट की जान गई, जिसमें दो विदेशी टूरिस्ट भी थे. इसी के साथ कई लोग घायल भी हुए. इस अटैक के बाद से ही पहलगाम समेत कई इलाकों में दहशत फैल गई. इसी के बाद भारतीय सेना अलर्ट मोड पर आ गई है और पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त एक्शन लिए जा रहे हैं. अभी तक कई आतंकवादियों के घरों को ढेर कर दिया गया है, साथ ही पाकिस्तानियों का वीजा भी रद्द कर दिया गया है. पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रोकने का फैसला लिया है. भारत के इस फैसले के बाद बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश को भी पानी की आपूर्ति निलंबित करने का आह्वान किया है. दुबे पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई का आग्रह कर रहे हैं. दुबे ने कहा, गंगा जल के लिए बांग्लादेश के साथ समझौता गलत था और यह 1996 में कांग्रेस सरकार की गलती थी. उन्होंने कथित तौर पर आतंकवाद से जुड़े देशों के साथ पानी साझा करना जारी रखने के तर्क पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा, कब तक हम सांपों को पानी देंगे? अब उन्हें कुचलने का समय आ गया है.

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: सीएम नीतीश कुमार ने खेल परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

पटना/ भव्य खबर/ बाबुल श्रीवास्तव । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर पहुंचे और वहां चल रही खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. उन्होंने सेंट्रल कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, कॉफ्रेंस हॉल, स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम सहित अन्य भागों का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही उद्घाटन समारोह में होने वाले कार्यक्रमों के लिए खिलाड़ियों और कलाकारों द्वारा किए जा रहे अभ्यास का भी निरीक्षण किया. उन्होंने 4 मई को उद्घाटन समारोह में प्रदर्शित की जानेवाली विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग के निर्माण का भी अवलोकन किया. आपको बता दें कि विश्व की सबसे बड़ी बनाई गई मधुबनी पेंटिंग के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मुख्यमंत्री को सौंपा गया है. मिथिला चित्रकला संस्थान, सौराठ, मधुबनी के 50 कलाकारों ने लगातार 50 घंटे तक काम कर इस पेंटिंग को तैयार किया है. विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली पद्मश्री बाऊआ देवी को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया. साथ ही 375 बाल लामाओं द्वारा सिंगिंग बॉल के साथ प्रदर्शन का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड का सर्टिफिकेट भी मुख्यमंत्री को सौंपा गया. बिहार में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 4 मई 15 मई तक हो रहा है. इसका उद्घाटन 4 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे. खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 28 खेलों के लिए 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 8500 खिलाड़ी, 1500 प्रशिक्षक और तकनीकी अधिकारी शामिल हो रहे हैं. बिहार के पांच शहरों पटना, गया, राजगीर, भागलपुर, बेगूसराय में इस खेल का आयोजन होगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

स्कूल बसों का सीसीटीवी फुटेज 60 दिन तक सुरक्षित रखना होगा

पटना। स्कूल बसों के सीसीटीवी फुटेज को 60 दिन तक संरक्षित रखना अनिवार्य है। यह जिम्मेवारी स्कूल प्रबंधन की होगी। 14 सीटों से अधिक के स्कूली वाहनों में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है। प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवड़े ने कहा कि कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। स्कूलों वाहनों के लिए निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन होना चाहिए। वे शनिवार को पटना प्रमंडल के सभी छह जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने डीएम की अध्यक्षता में होने वाली जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन से संबंधित समीक्षा करने, सभी डीटीओ को स्कूलों में बाल परिवहन समिति की नियमित बैठक कराने का निर्देश दिया। संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूली वाहनों की नियमित सघन जांच करने, आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि बच्चों की पाठ्य-सामग्री में सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय अनिवार्य रूप से रहना चाहिए।

प्रखंडों के होंगे अपने भवन, बीडीओ को गाड़ी समेत सभी सुविधाएं : मंत्री श्रवण कुमार

पटना। राज्य के सभी 534 प्रखंडों के अपने भवन होंगे। कई प्रखंडों के भवन का निर्माण हो गया है, लेकिन जिनके भवन नहीं बने हैं, वहां जल्द इसका निर्माण कराया जाएगा। यह घोषणा ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्रवण कुमार ने की। वे शनिवार को शास्त्रीनगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित प्रखंड विकास अधिकारियों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम सह प्रखंडों के लिए सरकारी वाहन वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी बीडीओ से कहा कि नया भवन मिल रहा है, नई गाड़ी समेत अन्य सभी सुविधाएं मिल रही हैं। अब योजनाओं का क्रियान्वयन पूरा मन लगाकर करें, ताकि आम लोगों को इससे लाभ मिले। गांव के गरीबों का इस विभाग पर बहुत भरोसा है। इस कार्यक्रम में मंत्री ने बचे हुए 422 प्रखंडों के बीडीओ को नई गाड़ी की चाबी सौंपी। गौरतलब है कि पहले चरण में इस वर्ष 1 मार्च को 112 प्रखंडों के बीडीओ को गाड़ी की चाबी दी गई थी। दूसरे चरण में बचे हुए प्रखंडों को वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीडीओ को सम्मानित किया। इसमें मंच पर बुलाकर टॉप-10 बीडीओ के अलावा विभाग के अन्य स्तर के पदाधिकारियों और कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री ने मंच पर 7 अलग-अलग प्रखंड के बीडीओ को सम्मानित किया। ऐसे उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित होने वाले बीडीओ की संख्या 38 है। यानी प्रत्येक जिले के एक प्रखंड के बीडीओ को सम्मानित किया गया है। समस्तीपुर के विभूतिपुर प्रखंड के चंद्रमोहन पासवान, वैशाली के अंजनी कुमार, औरंगाबाद के रफीगंज के उपेंद्र कुमार दास, अररिया के रानीगंज के उत्तम कुमार चौहान, किशनगंज के पोठिया के मो. आसिफ, नवादा के अकबरपुर की गीता, शिवहर के तरयानी की जूली कुमारी, सुपौल के त्रिवेणीगंज प्रखंड के अभिनव भारती के अलावा अन्य शामिल हैं। रानीगंज, कलेर, नवीनगर, अमरपुर, मटिहानी, पीरपैंती, कोईलवर, ब्रहमपुर, बिरौल, इमामगंज, कोचायकोट, खैरा, काको, भभुआ, बरारी, खगड़िया, पोठिया, सूर्यगढ़ा, मधेपुरा, बेनीपट्टी, धरहरा, पारू, नूरसराय, अकबरपुर, चनपटीया, पंडारक, चिरैया, कसबा, दिनारा, मेहसी, कल्याणपुर, दरियापुर, शेखपुरा, तरियानी, परिहार, बड़हिया, त्रिवेणीगंज और पातेपुर।

कायस्थ एकजुटता समय की मांग: राजीव रंजन प्रसाद

पटना/ भव्य खबर/ बाबुल श्रीवास्तव । जमुई में ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) द्वारा आयोजित कायस्थ महाकुंभ का उद्घाटन करते हुए जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष एवं जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने रविवार को कहा कि कायस्थ एकजुटता आज समय की मांग है। राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ महाकुंभ में उपस्थित चित्रांश बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, डॉ राजेंद्र प्रसाद, स्व लालबहादुर शास्त्री, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, महाराजा ललितादित्य, महाराजा प्रतापादित्य, कृष्णदेव राय, पुलकेशिन द्वितीय, मुंशी प्रेमचंद, महादेवी वर्मा और बालासाहेब ठाकरे आदि जैसी महान विभूतियों की संतानें आज अस्तित्व संकट के गंभीर दौर से जूझ रही हैं। प्रशासन, पत्रकारिता और लॉ जैसे परम्परागत क्षेत्रों में भी चुनौतियाँ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक तौर पर तो सबसे ज्यादा मुश्किलें बढ़ रही हैं। कभी देश की अगुवाई करने वाली जाति आज हाशिये पर है। प्रसाद ने कहा कि आज भी राज्य के 35 से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में कायस्थ समाज की भूमिका निर्णायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए एकजुटता एवं वोट ट्रांसफर की क्षमता बेहद आवश्यक है । ग्लोबल अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं पॉलिटेक्निक एवं अन्य तकनीकी संस्थानों का जाल बिछाया गया है। इसका लाभ कायस्थ समाज के छात्रों को उठाना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि नौकरी एवं रोजगार के पचास लाख अवसर प्रदान किए जा रहे हैं और स्टार्टअप, उद्यमी योजना एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े कायस्थों को अन्य जातियों के साथ ही छोटे उद्योगों के लिए दो लाख रुपये का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को इन फैसलों का लाभ लेने के लिए सक्रिय होना चाहिए और आवश्यकता के अनुसार जीकेसी से निःशुल्क परामर्श भी लेना चाहिए। इस अवसर पर चित्रांश बंधुओं को संबोधित करने वालों में प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन, बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ नम्रता आनंद, दीप श्रेष्ठ, राहुल मणि, नीलेश रंजन, मुकेश महान, बलिराम श्रीवास्तव, रवि शंकर प्रसाद सिन्हा, अरविंद कुमार सिन्हा, डॉ सरोज कुमार सिन्हा, भाष्कर, मनोरंजन कुमार सिन्हा और आतोष कुमार सिन्हा आदि प्रमुख है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश मणि एवं संचालन जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों में गौतम कुमार सिन्हा, संजीव कुमार, अभिषेक कुमार, भूपेंद्र कुमार, डॉ मनोज कुमार सिन्हा, सत्येंद्र सिन्हा, डॉ अमित रंजन, डॉ मनीषा रंजन, विवेक कुमार, नेहा मणि आदि।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा पर भड़के लालू के विधायक प्रो. चन्द्रशेखर

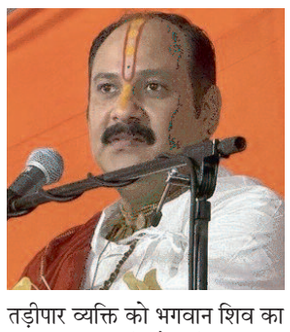

मधेपुरा। जिले के सिंहेश्वर में आयोजित शिव महापुराण में पंडित प्रदीप मिश्रा के कथावाचन कार्यक्रम पर विवाद छिड़ गया है। मधेपुरा सदर विधायक प्रो. चंद्रशेखर ने प्रदीप मिश्रा के बयानों पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि धर्म और आस्था की आड़ में समाज में नफरत फैलाने की साजिश हो रही है। उन्होंने ऐसे कथावाचकों से लोगों को सतर्क रहने की अपील की। प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदीप मिश्रा जैसे कथावाचकों से देशवासियों को कोई अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।उन्होंने मिश्रा पर ज्ञान की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके प्रवचन में मौनता और चुपता जैसे शब्दों का उल्लेख किया गया, जबकि ये शब्द किसी भी मान्य शब्दकोश में नहीं पाए जाते। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि मिश्रा एक तड़ीपार व्यक्ति को भगवान शिव का अवतार बता रहे हैं, जो धर्म का अपमान है। विधायक ने आगे कहा कि आज कई कथावाचक धर्म प्रचारक न रहकर एक विशेष राजनीतिक दल के प्रचारक बन चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर कारोबार चल रहा है और जनता की आस्था के साथ छलावा किया जा रहा है। प्रदीप मिश्रा के उस बयान पर भी विधायक ने निशाना साधा जिसमें मिश्रा ने कहा था कि बच्चों को शास्त्र पढ़ें या न पढ़ें, लेकिन शस्त्र चलाना आना चाहिए। इस पर चंद्रशेखर ने सवाल उठाया कि आखिर देश की तरक्की शास्त्र से होगी या शस्त्र से? उन्होंने कहा कि ज्ञान और विज्ञान ही किसी भी देश की वास्तविक शक्ति है, हथियार नहीं।चुनावी मौसम में कथावाचकों की बढ़ती गतिविधियों पर भी सवाल उठाते हुए विधायक ने कहा कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए अब कथावाचकों को भी बिहार में सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सजग रहें और ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं। प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि भगवान राम ने स्वयं अयोध्या में बीजेपी को पराजित कर यह संदेश दिया है कि जो लोग भगवान के नाम पर राजनीति करते हैं, उन्हें जनता करारा जवाब देती है।

बस इस वजह से पहलगाम में बच गई बिहार के 2 दंपती और 3 बच्चों की जान

मुजफ्फरपुर। धरती पर स्वर्ग का अहसास दिलाने वाले कश्मीर में हुई आतंकी घटना ने सभी को झकझोर दिया है। पर्यटक भी सुरक्षित नहीं हैं। बैरिया पुराना मोतिहारी रोड निवासी राहुल कुमार पत्नी अंजली वर्मा व चार साल के बेटे दर्श राज के साथ कश्मीर घूमने गए थे। आठ दिनों के टूर में पांच दर्शनीय स्थल घूमने का कार्यक्रम था। उनके दोस्त देव प्रयाग निवासी डॉ.अर्जुन कोटियाल, उनकी पत्नी डा.मेघा मिश्रा, दो छोटे-छोटे बच्चों संग 27 को शादी की सालगिरह मनाने पहुंचे थे।आतंकी घटना जिस दिन हुई उस वक्त 22 अप्रैल को दोपहर में श्रीनगर एयरपोर्ट से उतरकर सीधे पहलगाम पहुंचे थे। नाइट स्टे के लिए वहां दो दिनों का होटल बुक था। पहलगाम होटल से आधा किलोमीटर रास्ते में एक रिसोर्ट नजर आया। वहीं पर खाना खाने के लिए रुक गए। खाना खाकर जैसे ही बाहर निकले, सड़क पर एबुलेंस, सेना, सीआरपीएफ की तेजी से गाड़ियों दौड़ रही थीं। सभी की आंखों में खौफ नजर आ रहा था। लोग कश्मीर की तरफ भाग रहे थे। किसी तरह एक व्यक्ति को रोककर पूछा तो घटना की जानकारी मिली। उसने बताया कि आगे मत जाओ, आतंकवादी हमला हुआ है। इसमें बहुत सारे लोग मारे गए हैं, तुम भी यहां से भागो। इसपर हम लोगों ने ईश्वर को धन्यवाद देते हुए गाड़ी से कश्मीर आ गए। वहां आने पर देखा कि पूरा श्रीनगर बंद हो गया था। कश्मीर में ग्रांड कौशर होटल बुक था, उसमें आ गए। कश्मीर टाउन के अलावा पहलगाम में दो दिन, सोनमर्ग में एक, गुलमर्ग में एक व दूध पथरी की सौंदर्यवादियों में एक दिन नाइट हाल्ट के लिए वहां के होटलों व घूमने के लिए डेढ़ लाख में बुकिंग कराई थी। सारा टूर छोड़कर दोगुना भाड़ा देकर एयर इंडिया के हवाई जहाज से भागकर दिल्ली पहुंचे। टूर का सारा पैसा डूब गया। कहा कि आठ दिनों के कश्मीर टूर के बाद माता वैष्णो देवी दर्शन के लिए भी जाना था। जम्मू से दो मई को फ्लाइट से पटना वापसी थी। कश्मीर से दूसरे दिन दिल्ली आ गए। श्रीनगर एयरपोर्ट पर हजारों लोग खड़े थे। इसको लेकर फ्लाइट के फेरे भी बढ़ाए गए। 10 की बजाय 20 हजार प्रति व्यक्ति से किराया लिया गया। सुरक्षित आ गए। दिल से बैठा डर अभी खत्म नहीं हुआ। पहलगाम से लौटकर कश्मीर स्थित होटल में आए। बच्चे का दूध लाने के लिए बाहर निकले। इस पर वहां की पुलिस बोली, कहां घूम रहे हो, दिल्ली का चांदनी चौक समझ लिए हो। जहां से भी आए हो जल्दी वापस हो जाओ। पुलिस का ऐसा रूखा व्यवहार देख दिल और घबराने लगा। 23 अप्रैल को रात 11 बजे फ्लाइट का टिकट लेकर अगले दिन वहां से निकल आए।

संक्षिप्त डायरी

हरियाणा के स्कूलों के लिए जारी हुई नई गाइडलाइन

हरियाणा : हरियाणा में दिन-ब-दिन गर्मी बढ़ती जा रही है। तापमान बढ़ने से लू का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। इसको देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने बच्चों की सुरक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को इन निदेशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। पानी पीने की याद दिलाने के लिए घंटी बजाए बताया जा रहा है कि किसी भी सूरत में विद्यार्थियों को धूप में न बैठाया जाए और न ही कोई कार्यक्रम खुले आसमान के नीचे आयोजित किया जाए। पीने के स्वच्छ पानी की समुचित व्यवस्था हर विद्यालय में अनिवार्य की गई है। हर स्कूल को दिन में कम से कम तीन बार पानी पीने की याद दिलाने के लिए घंटी बजाने का निर्देश भी दिया गया है। वहीं विद्यालयों की खिड़कियों को एल्युमिनियम फॉइल, गत्ता या पर्दों से ढकने के निर्देश दिए हैं ताकि गर्मा हवाओं से कक्षाएं सुरक्षित रह सकें। इसके अवाला स्टूडेंट्स को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े। घर से बाहर निकलते समय सिर ढकने और संतुलित भोजने करने की सलाह दी गई है।

नारनौल मे 2 बच्चों के पिता ने उठाया खौफनाक कदम

महेंद्रगढ़ : हरियाणा के नारनौल में सदर थाना के गांव सुराना में दो बच्चों के पिता ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। जिसके बाद नारनौल के नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक घटना बीते कल की है। परिजनों ने बताया कि गांव सुराना निवासी गजेंद्र का करीब डेढ़ साल पहले एक्सीडेंट हुआ था। इस हादसे में गजेंद्र को काफी चोट लगी थी। इसके बाद उसका पांव का ऑपरेशन भी हुआ था। इस ऑपरेशन के बाद से गजेंद्र परेशान रहने लग गया था। मानसिक रूप से परेशान होने के कारण वह अकसर अपने घर के चौबारे में ही रहता था। मृतक के भाई ने बताया कि उसके भाई का एक ओर ऑपरेशन होना था। इसी से वह परेशान रहता था। जब चौबारे में कोई नहीं था, तब उसने फांसी का फंदा लगा लिया। मृतक दो बच्चों का पिता था।

सोनीपत मे ं शराब ठेके पर लूटपाट करने आए 3 बदमाश

सोनीपत :हरियाणा का सोनीपत लगातार अपराध की राजधानी बनता हुआ नजर आ रहा है। सोनीपत से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-44 पर स्तिथ प्याऊ मनियारी पर स्थित जी टाऊन के ठेके पर तीन बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम देने की कोशिश की, लेकिन शराब ठेके के करिंदों ने एक बदमाश को पकड़ लिया और बाद में उसने बाथरूम में घुसकर फांसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। उत्तर प्रदेश के जिला संभल के गांव अतरासी निवासी योगेश ने बताया कि वह प्याऊ मनियारी स्थित जी-टाउन लिक्विड गोल्ड शराब ठेके पर काम करते हैं। वह एक महीने से यहां काम कर रहे हैं। शनिवार रात को करीब नौ बजे वह गेट पर ड्यूटी कर रहे थे, तभी बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार तीन युवक ठेके पर पहुंचे।
उनमें से दो युवक गेट पर खड़े हो गए और एक युवक हाथ में पिस्तौल लेकर ठेके के अंदर घुस गया। युवक ने अंदर पिस्तौल दिखाकर कैश के बारे में पूछा और जान से मारने की नीयत से ठेके के अंदर काम कर रहे सेल्समैन की तरफ फायर कर दिया। गोली चलते ही ठेके मे हड़कंप मच गया और वहां मौजूद ग्राहक घबराकर इधर-उधर भागने लगे। योगेश का कहना है कि उन्होंने साहस दिखाते हुए फायरिंग कर रहे युवक का हाथ पकड़ लिया, जिसमें वह पिस्तौल लिए था। इस पूरी वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है जिसमें बदमाशों की करतूत दिखाई दे रही है।
वहीं पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि प्याऊ मनियारी पर स्थित एक शराब के ठेके पर तीन युवक आए और उन्होंने वहां लूट के इरादे से फायर किया और बाद ने शराब के ठेके पर कार्यरत करिंदो ने उसे पकड़ लिया। उसके बाद उसने बाथरूम में घुसकर फांसी लगा ली। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी पुलिस के आला अधिकारी मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने साइक्लोथॉन 2.0 को दिखाई हरी झंडी, नशा मुक्त हरियाणा का लिया संकल्प

हरियाणा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सिरसा में नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत साइक्लोथॉन 2.0 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के लिए पूरे राज्य में एक जन आंदोलन की शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और हर नागरिक ने संकल्प लिया है कि हमें नशे को जड़ से खत्म करना है और हरियाणा को नशा मुक्त बनाना है। यह यात्रा अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। हमारा लक्ष्य है कि हरियाणा का युवा स्वस्थ, मजबूत और प्रगतिशील हो। सीएम सैनी ने कहा कि सरकार नशा मुक्ति के लिए लगातार कदम उठा रही है और समाज के हर वर्ग को इस अभियान में भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल के बेटे मनीष सिंगला के साथ हुई एक घटना ने सोशल मीडिया पर

तूल पकड़ लिया है। एक वायरल वीडियो में मनीष सिंगला को पुलिस कर्मचारियों द्वारा किसी कार्यक्रम के स्टेज से बाहर निकालते हुए देखा जा सकता है। इस घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है, जिसके चलते सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें और चचाएं तेज हो गई हैं। मनीष सिंगला, जिन्हें सिरसा में बीजेपी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है, के साथ हुई इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वायरल वीडियो में पुलिस कर्मचारी उन्हें स्टेज से नीचे उतारते और बाहर ले जाते नजर आ रहे हैं। कुछ लोग इसे राजनीतिक षड्यंत्र करार दे रहे हैं, तो कुछ का मानना है कि यह पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल को नीचा दिखाने की साजिश हो सकती है। सिरसा के बीजेपी जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतिंद्र सिंह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं अभी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से फ्री हुआ हूं। मनीष सिंगला जी के साथ ऐसी कोई घटना हुई है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। मैं वीडियो देखने के बाद ही इस बारे में कुछ कह पाऊंगा।

साइक्लोथॉन 2.0 का आयोजन नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करने के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और नशा मुक्ति का संदेश पूरे राज्य में पहुंचाने का संकल्प लिया।

हरियाणा बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां

हरियाणा : भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने महिला मोर्चा के लिए जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं। इन नियुक्तियों की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक जी और प्रदेश संगठन मंत्री फणींदरनाथ शर्मा जी के साथ विचार-विमर्श के बाद की गई है। नई नियुक्तियों में बल्लभगढ़ की ममता राघव, पानीपत की नेहा शर्मा, गुरुग्राम ग्रामीण की रीना यादव, डबवाली की (नियुक्ति पेंडिंग), फतेहाबाद की बैगो रानी, हांसी की नीलम जांगड़ा, और गोहना की रीना शर्मा शामिल हैं। इस संबंध में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी शर्मा ने एक पत्र जारी किया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को आगामी कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी और पार्टी संगठन के मजबूती के लिए काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय लोक दल ने नियुक्त किया प्रदेश अध्यक्ष, चरखी दादरी के पूर्व विधायक को सौंपी जिम्मेदारी

हरियाणा : राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने हरियाणा में अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। जगदीश सिंह सांगवान पार्टी का नया अध्यक्ष बनाया है। जगजीत सिंह सांगवान चरखी दादरी से पूर्व विधायक रह चुके हैं। पार्टी नेताओं की तरफ से इस संबंध में रविवार को चंडीगढ़ सेक्टर-27 स्थित प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता रखी गई थी। प्रेस वार्ता के दौरान हरियाणा में पार्टी विस्तार करने की घोषणा की गई। पार्टी के मुख्य महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी, उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री (विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी) अनिल कुमार, पार्टी महासचिव लोकसभा सदस्य चंदन चौहान सहित अन्य मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी के प्रमुख सचिव त्रिलोक त्यागी व बिजनौर से सांसद चंदन चौहान के साथ चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का उद्देश्य

हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष को नियुक्त करना था। यह जिम्मेदारी पूर्व विधायक जगजीत सिंह सांगवान को दी गई है। मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि हरियाणा में पहले से ही पार्टी कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। संगठन को राजनीतिक रूप से मजबूती देने के लिए सांगवान को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त करने का कारण यह भी है कि भविष्य में हरियाणा में जब भी चुनाव होंगे, चाहे लोकसभा या विधानसभा हो, उसके लिए पार्टी के उम्मीदवारों को मजबूती से उतारा जाए। आरएलडी चौधरी चरण सिंह की पार्टी है और वो चाहते थे कि समाजिक न्याय की जो लड़ाई है वह कमजोर न पड़े और बस उसी लड़ाई को हम मजबूती से लड़ने का काम कर रहे हैं। उनकी इसी विचारधारा को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में भी पार्टी के संगठन के लिए अगले महीने पंजाब जाएंगे। इसके बाद भोपाल और अन्य राज्यों में भी पार्टी के संगठन को मजूबत करेंगे। क्योंकि किसी भी चुनाव में उतरने के लिए और किसी भी दल के विचार को जमीन पर उतारने के लिए संगठन होना बहुत जरूरी है। पंजाब के किसानों के आंदोलन को लेकर मंत्री अनिल ने कहा कि एनडीए की सरकार में किसानों के लिए बहुत सारे काम हुए हैं।अभीऔर काम करने की आवश्यकता है। किसानों की बहुत सारी मांगें, दिक्कत और परेशानियां हैं। किसानों की मांगों और उनकी भावनाओं को केंद्र सरकार के सामने रखेंगे और उनकी समस्याओं को हल करवाने की पूरी कोशिश करेंगे।

सियाचिन में शहीद हुए सूबेदार के घर पहुंचे सीएम सैनी परिजनों के साथ मिलकर दुःख किया सांझा

सिरसा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बीते दिन शनिवार को सिरसा के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। सीएम सबसे पहले शहीद सूबेदार बलदेव सिंह के घर पर पहुंचे और स्वजन को मिलकर शोक जताया। सूबेदार बलदेव सिंह सियाचिन में ड्यूटी के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण शहीद हो गए थे। इसके बाद सीएम ने 61.33 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जिसमें सिरसा में करीब 25 करोड़ की लागत से नवनिर्मित पीडब्लूडी रेस्ट हाउस, 10 करोड़ की लागत से रोडी ब्रांच से निकलने वाली गुडा राजवाहा, 7 करोड़ की लागत से डबवाली रजवाहा, 20 करोड़ से

बने सीडीएलयू के ब्लाक नंबर पांच का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ रही है। इसी को लेकर पूरे प्रदेश भर में युवाओं को नशे से दूर करने के लिए साइक्लोथान का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव के सरपंच से लेकर पुलिस थानों के SHO तक सभी की ACR लिखी जा रही है जो भी नशे को दूर करने का प्रयास कर रहा है। उनके प्वाइंट्स जोड़े जा रहे हैं और जिस गांव में या फिर थाने के क्षेत्र में नशा बिक रहा है उसकी नेगेटिव मार्किंग भी हो रही है।
आतंकवादी हमले के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम है। जो लोग वीजा लेकर आए है, उन्हें ट्रेस किया जा रहा है। हमारे प्रदेश में ऐसे लोगों का कोई स्थान नहीं है। पहलगाम की घटना का खामियाजा पाकिस्तान को भुगतना पड़ेगा। अब समय आतंकवाद के खिलाफ मजबूत लड़ाई का है।

हरियाणा में गर्मी दिखा रही रौद्र रूप आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम

हरियाणा : हरियाणा में गर्मी प्रचंड रूप दिखा रही है। लोगों का गर्मी से हाल-बेहाल हो गया है। मौसम विभाग ने सूबे में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत प्रदेश में तेज गर्म हवाएं चलेंगी जबकि तापमान में बढ़ोतरी भी होगी। बीते दिन अचानक मौसम बदल गया। नारनौल और नूंह में आंधी के साथ बारिश हुई। हिसार, करनाल, पानीपत, फतेहाबाद, गुरुग्राम, भिवानी और सिरसा में बादल छाए रहे। प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया है। प्रदेश का सबसे गर्म जिला रोहतक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले तीन दिन तक गर्मी और ज्यादा बढ़ेगी। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ से तापमान में बदलाव होगा प्रदेश के जिलों में 30 अप्रैल को वर्षा होने की संभावना है। मौसम में बदलाव का असर एक और दो मई को रह सकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

चंडीगढ़ / भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने भीतर छुपे हुए परशुराम जी को पहचानें। अपने अंदर के साहस, ज्ञान और सेवा के भाव को जागृत करें, क्योंकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए ऐसे भाव और आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में सत्य, निष्ठा और धर्म को अपनाएं तथा एक ऐसा भारत और हरियाणा बनाएं जो आत्मबल से समृद्ध और आत्मा से पवित्र हो।मुख्यमंत्री भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में 31 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सांसद कार्तिकेय शर्मा, सुरेंद्र नागर, रेखा शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे लिए सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से एक विशेष पर्व है, बल्कि यह भारत की उस महान सनातन परंपरा का भी प्रतीक है, जो समय- समय पर अधर्म का नाश करके धर्म की पुनः स्थापना करती रही है। भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ इसी जंग के ध्वज वाहक हैं।भगवान परशुराम के दिखाए मार्ग पर चलते हुए "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही सरकार मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत- विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया। उन्होंने केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। हमारी सरकार भी भगवान परशुराम जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान परशुराम जी ने शिक्षा के साथ साथ शस्त्र विद्या में भी राष्ट्र को समृद्ध किया है, उसी प्रकार आज हमें भी आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक शक्ति को भी सशक्त करना होगा। हमारी परंपराएं, हमारी भाषा, हमारी संस्कृति ये सब हमारी आत्मा है।भगवान परशुराम जी द्वारा दिया गया धर्म की स्थापना का मंत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया को योग, आयुर्वेद और शांति का मार्ग दिखा रहा है। यह उसी विरासत का परिणाम है, जिसकी नींव भगवान परशुराम जी जैसे ऋषि-मुनियों और महापुरुषों ने रखी थी। भगवान परशुराम जी ने धर्म की स्थापना का जो मंत्र दिया था, वह आज भी उतना

ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज जब हम डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को आगे बढ़ा रहे हैं, तो भगवान परशुराम जी के दृढ़ संकल्प की तरह हम सभी भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने का भी प्रण लें। उन्होंने कहा कि युवाओं को भी भगवान परशुराम जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए कि यदि आपके पास ज्ञान है, संकल्प है और देशभक्ति है तो आप हर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी की शिक्षाओं और आदर्शों से नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए सरकार ने कैथल में खोले जा रहे मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम जी के नाम से रखा है। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर राजपत्रित अवकाश का प्रावधान किया है। सरकार ने गांव पहरावर में गौड़ ब्राह्मण कॉलेज को पट्टे पर जमीन दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा प्रदेश के लोगों के सम्मान में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे - बृजेश पाठक

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ लोग हरियाणा के लोगों के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा प्रदेश के लोगों के सम्मान में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब-जब अधर्म करने वाली शक्तियों ने अपना सिर उठाया और अनाचार बढ़ा, तब - तब भगवान परशुराम ने फरसा उठाकर उनका संहार किया। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान परशुराम का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले ताकि वे भी देश के दुश्मनों का समूल नाश कर सके।

ब्राह्मण समाज 36 बिरादरी को साथ लेकर चलने वाला समाज झ्र डॉ अरविंद शर्मा

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज 36 बिरादरी को साथ लेकर चलने वाला समाज है। ब्राह्मण समाज ने सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अनेक कल्याणकारी कार्य किए, जिनमें समाज के प्रबुद्धजनों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समाज को हमेशा गरीब कल्याण की सोच को आगे रखते हुए समाज के विकास और मजबूती के लिए कार्य करना है। राज्यसभा सांसद और कार्यक्रम के आयोजक कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नॉन-स्टॉप मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे प्रदेश के लोगों की भलाई के लिए दिन-रात खुले रहते है। उन्होंने कहा कि देश के साथ-साथ 2047 तक हरियाणा भी विकसित प्रदेश बनेगा।

संक्षिप्त डायरी

रूस-यूक्रेन जंग में शामिल हुआ केरल का युवक, घायल हो वापस घर लौटा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल का एक युवक, जैन टी कुरियन, जो रूस की सेना द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में भेजे जाने पर मजबूर हुआ था, अंततः अपनी मातृभूमि लौट आया है। 27 वर्षीय जैन, जो रूस के युद्ध में घायल हो गया था की गुरुवार को घर वापसी हुई है। उसकी घर वापसी भारतीय दूतावास की मदद और उनके परिवार द्वारा की गई लगातार कोशिशों से संभव हो सकी है। यहां बताते चलें कि जैन टी कुरियन त्रिशूर जिले के वडक्कनचेरी का निवासी है और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान जनवरी में एक ड्रोन हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले में उनके रिश्तेदार बिनिल टी बी (32) की मौत हो गई थी। हालांकि, बिनिल का शव अब तक भारत नहीं पहुंच पाया है। जैन को इलाज के लिए रूस में चार महीने तक अस्पताल में रहना पड़ा और उन्हें यह डर था कि इलाज के बाद उन्हें फिर से युद्ध में भेज दिया जाएगा। जैन ने बताया कि 6 जनवरी को उन्हें रोस्तोव-ऑन-डॉन के पास चोटें आईं थीं, जो मॉस्को से लगभग 1,000 किलोमीटर दूर स्थित है। वहां उनके पेट में गंभीर चोटें आईं, और उन्हें कई सर्जरी से गुजरना पड़ा। जैन को 22 अप्रैल को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद फिर से युद्ध में भेजने का आदेश दिया गया। इसके बाद उन्होंने भारतीय दूतावास को सूचित किया, जिसके बाद उनकी वापसी सुनिश्चित हो पाई। पारिवारिक ने ली राहत की सांस जैन के घर लौटने पर उनके परिजनों ने राहत की सांस ली और उन्हें गले से लगा लिया। उनका परिवार लंबे समय से उनके सुरक्षित घर लौटने की प्रार्थना कर रहा था। जैन और बिनिल उन भारतीयों में शामिल थे, जिन्होंने पिछले साल अप्रैल में रूस में सेना के सहायक कार्यों के लिए नौकरी की उमीद में कदम रखा था। बताया जा रहा है कि रूस पहुंचते ही उन्हें भारतीय पासपोर्ट छोडड्डे, स्थायी निवास लेने, और सेना में भर्ती होकर युद्ध में जाने के लिए मजबूर किया गया था। जैन और बिनिल ने अपनी जान को खतरे में बताते हुए कई बार मदद की गुहार लगाई थी।

मुंबई में ईडी कार्यालय वाली इमारत में भीषण आग, दस्तावेजों के जलने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में रविवार तड़के एक बड़ी घटना सामने आई जबकि दक्षिण मुंबई के बेलार्ड एस्टेट इलाके में स्थित कैसर-ए-हिंद इमारत में भीषण आग लग गई। इसी बहुमंजिला इमारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का कार्यालय भी स्थित है, जहां कई प्रमुख राजनेताओं और व्यापारियों के खिलाफ जांच से जुड़े अहम दस्तावेज रखे हुए हैं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 2:31 बजे करिंभॉय रोड पर ग्रैंड होटल के पास स्थित कैसर-ए हिंद इमारत में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को मिली। तुरंत ही फायर ब्रिगेड की दस से अधिक गाडिड्डों मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए अभियान शुरू किया। आग धीरे-धीरे बढ़कर लेवल-2 श्रेणी की हो गई, जिसे बड़ी आग माना जाता है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि आग मु य रूप से पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल तक सीमित रही। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। आग पर काबू पाने के लिए आठ दमकल गाडिड्डों, छह जंबो टैंकरों, एक एरियल वॉटर टावर टेंडर, एक श्वास तंत्र वैन, एक बचाव वैन और एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन के साथ 108 सेवा की एबुलेंस को भी तैनात किया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और यह भी देखा जा रहा है कि आग से ईडी द तर के महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कितना नुकसान पहुंचा है।

5 साल बाद फिर शुरू होगी कैलाश यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल फिर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू होने जा रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जून से अगस्त माह के बीच मानसरोवर कैलाश यात्रा शुरू होगी। 5 साल से यह यात्रा बंद थी। चीन और भारत के बीच रिश्ते सुधारने के लिए, सीमा पर तनाव कम करने के लिए एक बार फिर कैलाश यात्रा शुरू करने का निर्णय दोनों देशों द्वारा लिया गया है। मानसरोवर की यात्रा करने वाले यात्रियों को उाराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथुला दर्रे से होकर चीन अधिकृत तिबत, कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक यात्रियों को जाने की सुविधा होगी। मानसरोवर की यात्रा शुरू होने से एक बार फिर चीन और भारत के संबंध सामान्य होने की दिशा में इस महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पाकिस्तान सीजफायर तोडड्डे से नहीं आ रहा बाज: एलओसी पर तीसरे दिन भी हुई गोलीबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। शनिवार देर रात टुटमारी गली और रामपुर से टर में पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से फायरिंग की गई, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। लगातार तीसरे दिन संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 26-27 अप्रैल की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने कई चौकियों से गोलीबारी की। भारतीय सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब देते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। हाल के दिनों में पाकिस्तान द्वारा 24 अप्रैल को भी इसी तरह की फायरिंग की गई थी। हालांकि, इन घटनाओं में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि ये घटनाएं ऐसे समय में हो रही हैं जबकि घाटी में पहले से ही तनाव का माहौल है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आर्तकियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या कर दी थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। आतंकवादियों को भारत हर संभव सजा देकर रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि आतंकवादियों, उनके मददगारों और समर्थकों को दुनिया के किसी भी कोने में ढूंढ़कर सजा दी जाएगी।

आखिर क्या है शिमला समझौता, जिसे पाकिस्तान तोड़ने की दे रहा धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के साथ 1972 में हुए ऐतिहासिक शिमला समझौते को 'सस्पेंड' (स्थगित) करने की घोषणा कर दी है। यह फैसला पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की आपात बैठक के बाद सामने आया, जिसे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और भारत की कड़ी कार्रवाई के जवाब में लिया गया।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ ने बैठक के बाद कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों का उल्लंघन किया है, इसलिए पाकिस्तान अब शिमला समझौते समेत सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

जानें क्या है शिमला समझौता?

1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद 2 जुलाई 1972 को शिमला में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच यह

समझौता हुआ था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता स्थापित करना था।

इस समझौते के तहत भारत और पाकिस्तान ने सभी मुद्दे आपसी बातचीत से सुलझाने पर सहमति जताई। बल प्रयोग न करने का संकल्प लिया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) की पुनः स्थापना की गई। भारत ने 93,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों को बिना शर्त रिहा किया।

भारत की प्रतिक्रिया क्या होगी?

कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत फिलहाल आधिकारिक प्रतिक्रिया देने से बच रहा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अगर पाकिस्तान समझौते को औपचारिक रूप से रद्द करता है, तो भारत भी किसी समझौते या सीमा अनुबंध से बंधा नहीं रहेगा। इससे नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तनाव और बढ़ सकता है।

रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यह पाकिस्तान की कूटनीतिक हताशा को दर्शाता है। अगर वह शिमला समझौते को रद्द करता है, तो वह यह स्वीकार करेगा कि वह अब कश्मीर मुद्दे को बातचीत से नहीं, बल्कि टकराव से सुलझाना चाहता है। वरिष्ठ सामरिक विश्लेषक के अनुसार, शिमला समझौते का टूटना न केवल द्विपक्षीय वार्ता को समाप्त करेगा, बल्कि यह सीमा पर संघर्ष की संभावनाएं भी बढ़ाएगा। पाकिस्तान खुद को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कमजोर स्थिति में धकेल रहा है।

ऐसे हालात में शिमला समझौते को निलंबित करने की पाकिस्तान की धमकी फिलहाल एक राजनीतिक दबाव की रणनीति प्रतीत हो रही है। बावजूद इसके यदि यह वास्तव में रद्द किया गया, तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों, सीमाई शांति और दक्षिण एशिया की स्थिरता पर गहरा पड़ेगा।

जांच में खुलासा : आतंकियों की मदद कर रहे थे 15 कश्मीरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम के आतंकी हमले को लेकर एजेंसियों का भी दावा है कि इस हमले में कश्मीर के कुछ स्थानीय लोगों की भी मिलीभगत थी। इलेक्ट्रिक सर्विलांस के जरिए कम से कम 15 कश्मीर ओवरग्राउंड वर्कर्स और आतंकियों की पहचान हुई है जो कि पाकिस्तानी आतंकियों की मदद कर रहे थे। एजेंसियों का कहना है कि इन लोगों ने आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक की व्यवस्था की। इसके अलावा पाकिस्तान से आए हथियारों को भी अपने पास रखा। आतंकी हमले को ऐसे वीडियो सामने आ रहे हैं जिन्हें देखकर लोगों के दिल दहल गए। सूत्रों का कहना है कि एजेंसियों ने कम से कम पांच मुख्य आरोपियों की धरपकड़ की कोशिश की जिनमें से तीन को उठा लिया गया। पुलिस अन्य दो ओजीडब्लू की तलाश कर रही है। पता चला है कि कश्मीर में स्ट्राइक के दिन वे भी उसी इलाके में मौजूद थे। उनके मोबाइल फोन भी चालू थे। इलेक्ट्रिक सर्विलांस से पता चला है कि सभी मुख्य आरोपी पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में आपस में मोबाइल से चैट कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि कम से कम 200 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि इस बात के पुख्ता सबूत मिल रहे हैं कि ये पांच ओवरग्राउंड वर्कर आतंकी हमले में बड़ी भमिका निभा रहे थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो रॉ और एनआईए की टीम इनसे पूछताछ कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने साउथ कश्मीर के कम से कम 15 लोगों की लिस्ट तैयार की है जो कि आतंकियों का सहयोग करते हैं। कश्मीर में पिछले कुछ सालों में हुए हमलों में भी उनकी सक्रिय भूमिका थी। वे जंगलों में आतंकियों के लिए खाने-पीने का इंतजाम, हथियार और लॉजिस्टिक की व्यवस्था करते हैं।

ममता की ममता- पहलगाम हमले के मृतक कमांडो की पत्नी को दी सरकारी नौकरी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममत बनर्जी ने लंबे समय से पश्चिम बंगाल में जमीनी पकड़ बनाए हैं। इसकी मूल वजह ये है ममता बनर्जी आम लोगों से सीधे रिश्ता बनाए हुए हैं। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के मृतक परिवारों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का उन्होंने ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए राज्य के तीन लोगों के परिवारों और उधमपुर मुठभेड़ में मारे गए सेना के हवलदार के परिजनों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नादिया जिले के तेहट्टा के हवलदार झंटू अली शेख की पत्नी को नौकरी भी देगी। वह कमांडो थे। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार पहलगाम के पीड़ितों में से एक बितान अधिकारी के पिता को 10,000 रुपये की पेंशन देगी।

ममता बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए बितान अधिकारी के पिता को 10 हजार रुपये महीने पेंशन देने का ऐलान किया है। 40 साल के बितान अमेरिका से अपनी पत्नी के साथ भारत घूमन आए थे। बितान टीसीएस में नौकरी करते थे। वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पहलगाम पहुंचे थे। फ्लोरिडा रहने वाले बितान की पत्नी सोहिनी और तीन साल के बेटे के सामने आतंकियों ने पिता को गोली मारी थी। ममता बनर्जी ने बितान के पिता को पेंशन का ऐलान किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं मुर्शिदाबाद जाऊंगा और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दूंगी। पहलगाम आतंकी हमले में पश्चिम बंगाल के तीन लोगों की मौत हुई थी। इसमे बितान अधिकारी, समीर गुहा और मनीष रंजन शामिल हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के ठीक बाद गुरुवार की सुबह उधमपुर जिले के डुडु-बसंतगढ़ क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें सेना के विशेष बल कमांडो 6 पैरा के हवलदार झंटू अली शेख शहीद हो गए थे। इस ऑपरेशन में उनके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए।

समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर फेंके गये टायर, बाल-बाल बचे

लखनऊ (एजेंसी)। मेवाड़ के शासक रहे राणा सांगा के खिलाफ टिप्पणी को लेकर निशाने पर आये समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के काफिले पर रविवार को अलीगढ़ और दिल्ली के बीच गभाना टोल बूथ पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कथित रूप से टायर फेंके। इसकी वजह से कई वाहन आपस में टकरा गये। इस घटना में सुमन बाल-बाल बच गये।

अधिकारियों ने बताया कि सपा के राज्यसभा सदस्य का काफिला आगरा से बुलंदशहर के सुनहेरा गांव जा रहा था तभी गभाना टोल बूथ पर कुछ प्रदर्शनकारियों ने काफिले पर टायर फेंके जिससे टोल प्लाजा पर धीमी गति से चल रहे कई वाहन आपस में टकरा गये और बड़ी संख्या में मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित किया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर

क्षेत्र) एम.एस. पाठक ने बताया, सपा राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन को इलाके से सुरक्षित निकाल लिया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। कई प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। टोल बूथ पार करने और बुलंदशहर जिले में प्रवेश करने के बाद पुलिस ने सुमन को आगे बढ़ने से रोक दिया। बुलंदशहर के सुनहेरा गांव में पिछली 21 अप्रैल की रात दो पक्षों के बीच संघर्ष में शीला नामक एक महिला की हत्या कर दी गयी थी। इस घटना में तीन अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सुमन ने संवाददाताओं से कहा कि वह बुलंदशहर के सोहाना गांव जा रहे हैं, जहां से पिछले कुछ दिनों में दलितों के खिलाफ कथित अत्याचार की खबरें सामने आई हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए सुमन ने कहा, राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है और यह तब तक जारी रहेगी जब तक सरकार ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला नहीं करती। उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं है कि पुलिस उन्हें प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने देगी या नहीं।

भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट, श्रावस्ती में घर घर तलाशी अभियान

श्रावस्ती(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद के भारत नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र बलों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल से भारत में आवाजाही करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कड़ी तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा बलों के स्तर से सीमा के सभी महत्वपूर्ण रास्तों और चेक पोस्टों पर गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद में स्थित भारत-नेपाल सीमा पर भी हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पर चौकसी और निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है और सीमा के आस-पास के गांवों में भी संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश जारी है। खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी को समय रहते रोका जा सके। श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया कि सीमा पर आने-जाने वालों का पूरा विवरण लिया जा रहा है और हर संदिग्ध गतिविधि की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बता दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले ने देश भर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

चारधाम यात्रा: भीड़ के सैलाब को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने की योजना तैयार

देहरादून (**एजेंसी**)। चारधाम यात्रा में आने वाली भीड़ को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तराखंड सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। चारधाम यात्रा मार्ग यातायात और यात्री सुविधाओं की पड़ताल के लिए सरकार ने परिवहन अधिकारियों की टीम को उतार दिया। परिवहन सचिव बृजेश संत ने चारधाम यात्रा रूट पर यातायात व्यवस्थाओं की निगरानी और अध्ययन के लिए सरकार ने परिवहन विभाग की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। उपायुक्त-परिवहन राजीव मेहरा की अगुआई में बनी टीम में चारधाम यात्रा के नोडल अफसर देहरादून के आरटीओ-प्रशासन संदीप सैनी और पौड़ी के आरटीओ द्वारका प्रसाद भी इस टीम में है। शनिवार को टीम केदारनाथ रूट पर रवाना हो गई।

एसएसपी अजय सिंह ने आगामी चारधाम यात्रा में वाहनों का दबाव बढ़ने की स्थिति में रूट डायवर्जन प्वाइंट चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाने के लिए भी कहा। एसएसपी ने शनिवार को शिमला बाईपास नया गांव में यात्री रजिस्ट्रेशन सेंटर और होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों और ड्राइवरों के लिए सुझाव पत्र बनाया है। यात्रियों से अपील है कि वह ऐसे वाहनों से यात्रा ना करें, जिनके टायर घिसे या रिट्रेटेड हों। ड्राइवरों को चप्पल पहनकर वाहन नहीं चलाने की सलाह दी है। यह जानकारी यात्रा के नोडल अधिकारी एवं आरटीओ देहरादून संदीप सैनी ने दी है।

इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं का ब्योरा भी जुटा लिया गया है। बीते वर्षों से सबक लेते हुए इस बार सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से पहले से तैयारी कर ली गई है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने और आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा। भीड़ प्रबंधन का यह कार्य राजधानी देहरादून में पटेल भवन में बनाए गए चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से किया जाएगा। इसको लेकर उत्तराखंड पुलिस विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि चारधाम यात्रा में भीड़ प्रबंधन को लेकर शासन स्तर पर निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके क्रम में पटेल भवन में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम की स्थापना कर ली गई, जो शीघ्र ही काम करने लगेगा। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई है। कंट्रोल रूम चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों से समन्वय बनाते हुए हुए कार्य करेगा।

लोग धैर्य रखें, सरकार पहलगाम हमले के गुनाहगारों पर कर रही कार्रवाई : जनरल वी के सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को जनता से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख सिंह विक्रम विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के लिए उज्जैन में थे।

सिंह ने पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''... सरकार इस पर कुछ कार्रवाई कर रही है। हम सभी को धैर्य रखना चाहिए और भविष्य में सतर्क रहना चाहिए, ताकि अगर हमें कुछ भी असामान्य दिखाई दे, तो हम पहले से ही इसका पता लगा सकें।''

भारत और पड़ोसी देश के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, ''आप पाकिस्तान के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हमारे देश के बारे में बात करें।''

विश्वविद्यालय के छात्रों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने भविष्य में देश को चलाने वाले युवाओं से कहा है कि उन्हें खुद को सशक्त बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखना भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा था कि भारत ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा था, ''पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने जीवनसाथी खोया। आज पूरे देश में इस बात का आक्रोश है।

युद्ध के भय से सहमें सीमा करीब के गांव, बंकरों की सफाई और फसलों की कर रहे जल्द कटाई

जम्मू (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच जम्मू-कश्मीर की अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बसे गांवों में चिंता और भय का माहौल गहरा गया है। सीमा से सटे इलाकों में लोग सतर्क हो गए हैं। कई जगहों पर ग्रामीणों ने अपने बंकरों की सफाई भी करना शुरू कर दी है। यही नहीं गेहूं की फसल को भी समय से पहले काटी जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित रह सकें।

गौरतलब है कि भारत 3,323 किलोमीटर लंबी सीमा पाकिस्तान के साथ साझा करता है, जिसमें जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में 221 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा और 744 किलोमीटर नियंत्रण रेखा शामिल है। वर्ष 2021 के बाद संघर्षविराम उल्लंघन में गिरावट आई थी, लेकिन हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने फिर से चिंता बढ़ा दी है। इस हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।

सरकार ने पहले ही सीमा के पास रहने वालों की सुरक्षा के लिए व्यापक तैयारी कर रखी है। दिसंबर 2017 में जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में 14,460 व्यक्तिगत और सामुदायिक बंकरों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद 4,000 से अधिक अतिरिक्त बंकरों को भी स्वीकृति दी गई।

आरएसपुरा सेक्टर के त्रेवा गांव की पूर्व सरपंच बलबीर कौर ने स्थानीय मीडिया से कहा, कि कोई नहीं जानता कि आगे क्या होगा। हमने अंडरग्राउंड बंकर तैयार करने का फैसला किया ताकि सीमा पार से गोलाबारी की स्थिति में खुद को सुरक्षित कर सकें। उन्होंने कहा कि हम अपनी भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। बंकर सफाई अभियान की निगरानी कर रहीं बलबीर कौर का कहना है कि हम चाहते हैं कि सरकार सीमा पार बैठे आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। जिन्होंने निर्दोषों की हत्या की है, उनका पूरी तरह से सफाया होना चाहिए। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में गेहूं की कटाई का काम भी तेजी से चल रहा है। महिलाएं बंकरों की सफाई कर रही हैं और पुरुष खेतों में फसल काटने में व्यस्त हैं। हम बिना हथियार के सैनिक हैं और देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

सांबा, कठुआ, पुंछ और राजौरी जिलों से भी ऐसी ही रिपोर्ट सामने आ रही हैं, जहां ग्रामीण सतर्कता बरत रहे हैं। पुंछ जिले के सलोत्री गांव के निवासी बताते हैं कि हम हमेशा की तरह अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़े हैं और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में जम्मू क्षेत्र की सीमाएं शांत हैं, लेकिन घाटी में हाल के दिनों में संघर्षविराम उल्लंघन की घटनाएं बढ़ी हैं।

क्या कहती है खुफिया रिपोर्ट

यहां खुफिया रिपोर्ट की बात करें तो दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और अनंतनाग जिलों में आतंकियों की घुसपैठ और आतंकी नेटवर्क को

फिर से सक्रिय करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी को देखते हुए भारतीय सुरक्षाबलों ने इलाके में गश्त और निगरानी को और अधिक बढ़ा दिया है।

करण जौहर लेकर आ रहे नागों वाली फिल्म, कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

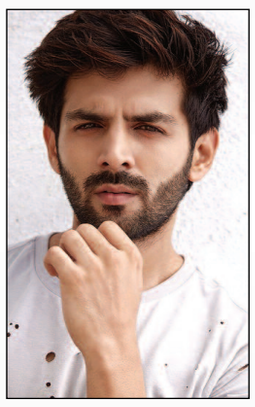

आपने इच्छाधारी नाग-नागिनों वाली कहानियां तो कई सुनी होंगी। कई फिल्में और टीवी सीरियल भी इसी कॉन्सेप्ट पर देखने को मिले हैं। फिर वो चाहें श्रीदेवी की फिल्में 'निगाहें' और 'नगीना' हों या फिर टीवी पर आया एकता कपूर का सुपरहिट शो 'नागिन'। अब एक बार फिर इसी कॉन्सेप्ट पर बनी एक फिल्म आ रही है। जिसका निर्माण करण जौहर कर रहे हैं। फिल्म का नाम है नागजिला। इस फिल्म से बॉलीवुड को एक नया इच्छाधारी नाग भी मिलने जा रहा है। करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

कार्तिक बनेंगे इच्छाधारी नाग

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब धर्मा प्रोडक्शन की अबतक की फिल्मों से अलग हटकर एक नई तरह की फिल्म लेकर आ रहे हैं। इच्छाधारी नाग की कहानी पर आधारित उनकी नई फिल्म है 'नागजिला'। करण ने आज इस फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की घोषणा कर दी है और इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग की भूमिका में दिखाई देंगे। करण ने जो पोस्टर जारी किया है उसमें नीली जींस पहने शर्टलेस कार्तिक आर्यन दूसरी तरफ मुंह करके खड़े हैं। वो सांपों से भरे घर से शहर को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके आस-पास सिर्फ सांप ही सांप हैं और उनके ऊपर भी सांप लिपट रहे हैं। इस वीडियो पोस्टर में कार्तिक आर्यन की आवाज में वॉइस ओवर है। जिसमें कार्तिक कहते हैं, इच्छाधारी नाग। रूप बदलने की शक्ति रखने वाले सांप, जैसे कि मैं प्रियमवदेश्वर प्यारे चंद, उम्र 631 साल। इंसानों वाली पिक्चरें तो बहुत देख लीं, अब देखो नागों वाली पिक्चर। इसके साथ ही कार्तिक का नाम लिखकर आता है और फिल्म का नाम 'नागजिला - नागलोक का पहला कांड'।

तापसी कैसे बनीं फिल्म गांधारी का हिस्सा?

राइटर कनिका ने साझा की वजह

तापसी पन्नू ने अपने अब तक के करियर में कई महिला प्रधान फिल्में की हैं। वह थप्पड़ जैसी महिला प्रधान फिल्म का हिस्सा रहीं, इस फिल्म में गंभीरता से महिला मुद्दों को उठाया गया था। जल्द ही वह फिल्म 'गांधारी' में भी एक चुनौतीपूर्ण किरदार करने वाली हैं। इस फिल्म और किरदार के लिए तापसी का चयन कैसे हुआ? इस बारे में प्रोड्यूसर, राइटर कनिका ढिल्लों ने हाल ही में विस्तार से बताया।

क्या है फिल्म की कहानी

हालिया बातचीत में कनिक ढिल्लों कहती हैं, 'फिल्म गांधारी एक बदले की कहानी है, साथ ही इसमें एक मां और बच्चे की प्यार भरे रिश्ते की कहानी भी शामिल है। एक मां अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जा सकती है, यही फिल्म हमारी फिल्म की स्टोरी लाइन है।'

तापसी का चयन क्यों हुआ

कनिका आगे बताती हैं, 'तापसी काफी समय से एक एक्शन जॉनर की फिल्म करना चाहती थीं। ऐसे में वह हमारी फिल्म की कहानी के साथ फिट

बैठ रही थीं। सबकुछ जैसे सही समय पर हो गया। तापसी को भी फिल्म 'गांधारी' की कहानी, इसकी भावनाएं पसंद आईं।' हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी है, इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें तापसी पन्नू ने भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। तापसी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं।

फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म 'गांधारी' को कनिका कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। फिल्म इस साल ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। तापसी इसमें एक अंधी महिला के किरदार में नजर आएंगी।

'लापता लेडीज' का बुलबुला फूटने का दिखा सीधा असर, कहां अटकी प्रतिभा रांटा की अगली फिल्म

अब जबकि ये साफ हो चुका है कि आमिर खान ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी की फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर तक पहुंचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया और फिल्म की कास्ट को भी इस फिल्म के ऑस्कर के लिए भारत की तरफ से भेजे जाने की खबर पहले ही लग चुकी थी, तो इस फिल्म का पूरा हाइप झाग की तरह नीचे बैठ गया है। फिल्म की निर्देशक किरण राव की कोई अगली फिल्म अब तक घोषित नहीं हुई है।

वैसे तो ऑस्कर तक चक्कर लगा आई आमिर खान की कंपनी की फिल्म 'लापता लेडीज' के कलाकार आईफा अवार्ड्स में नजर आने के बाद फिर से अपने अपने काम में लग गए हैं। फिल्म के हीरो स्पर्श श्रीवास्तव फिर से वेब सीरीज पर लौट आए हैं। उनकी नई वेब सीरीज 'दुपहिया' की तारीफ भी खूब हो रही है। अनुपम खेर की कमाल की फिल्म 'सिग्नेचर' से फिल्म निर्माण में वापसी करने वाले निर्माता के सी बोकाडिया ने स्पर्श श्रीवास्तव को लेकर साउथ सिनेमा की एक चर्चित फिल्म की रीमेक बनाने का प्लान बनाया था, लेकिन 'लापता लेडीज' पर लगे दाग के बाद वह भी इस योजना को तिलांजलि देने का मन बना चुके हैं। वहीं फिल्म में जया त्रिपाठी और पुष्पा रानी नामों के साथ दो अलग अलग पहचाने जीने वाली अभिनेत्री प्रतिभा रांटा पर इन दिनों सबकी नजर है। लेकिन, उनकी अगली फिल्म की आधिकारिक रिलीज का एलान न होने से वह भी परेशान हैं। जानकारी के मुताबिक, प्रतिभा रांटा ने फिल्म 'लापता लेडीज' के तुरंत बाद अपनी अगली फिल्म अनुभूति कश्यप के निर्देशन में शुरू की थी। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा भी एक अहम भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग खत्म हुए करीब चार महीने पूरे होने को है, पर न तो अब तक फिल्म का नाम सामने आया है और न ही इसकी रिलीज डेट।

चिरंजीवी के साथ फिल्म करेंगे नानी

नानी की फिल्म हिट 3 रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले नानी ने साउथ निर्देशक से साथ मिलाया है। इस फिल्म में नानी के साथ चिरंजीवी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जब एक इंटरव्यू में नानी से चिरंजीवी और ओडेला की फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे खास अनुभव बताया और चिरंजीवी के व्यवहार की तारीफ की। खबर के मुताबिक, नानी ने कहा, मैं चिरंजीवी गारू से कई बार मिला, लेकिन इस बार खास था। उन्होंने पहले खाना खाने को कहा। मैंने सुझाव दिया कि चिरंजीवी और श्रीकांत को फिल्म करनी चाहिए। वे मेरे आइडिया से खुश हुए। अभी उस फिल्म के बारे में ज्यादा बात करना जल्दबाजी होगी।

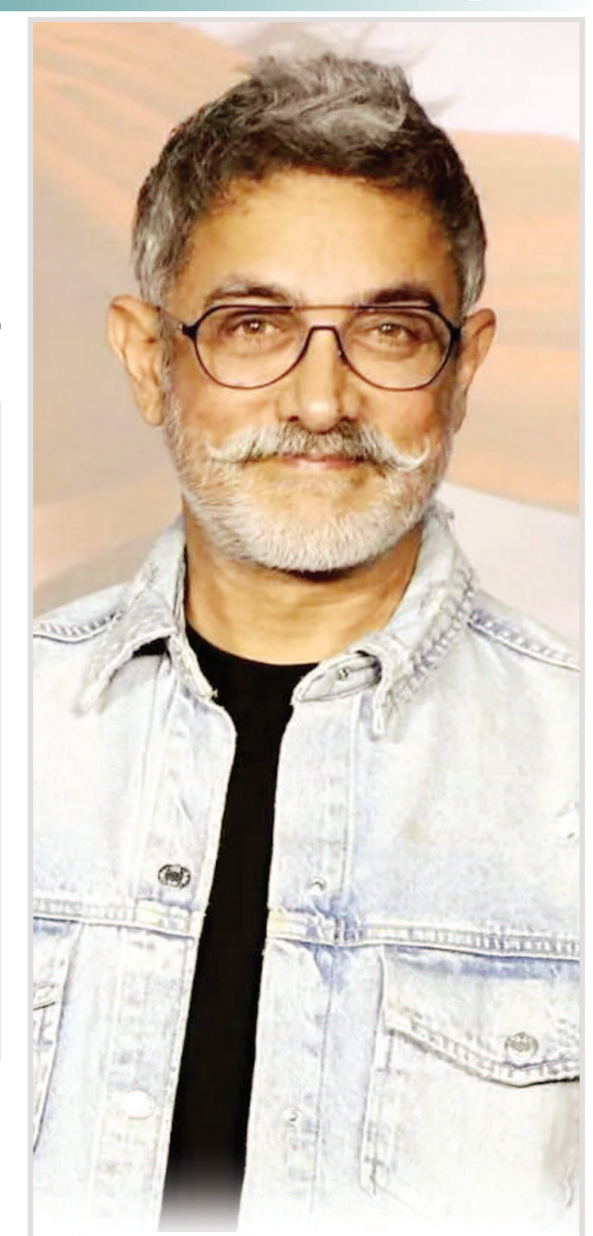

हिंदी सिनेमा की मौजूदा हालत पर बोले आमिर खान

हिंदी सिनेमा पिछले कुछ वक्त से बुरे दौर से गुजर रहा है। बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्मों की तुलना में फ्लॉप फिल्में ज्यादा आ रही हैं। हिंदी सिनेमा के मुकाबले क्षेत्रीय फिल्में अच्छा कर रही हैं। इस पर मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपनी बात रखी है। आमिर खान ने कहा है कि हिंदी फिल्मों में सुधार की गुंजाइश है।

बॉलीवुड फिल्मों में बेहतर करने की गुंजाइश है

आमिर खान ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा हम नहीं कहते कि हम बेहतर फिल्म निर्माता नहीं हो सकते। मेरे विचार से फिल्म निर्माता के तौर पर हमारे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। हमने कई इंडस्ट्रीज से सीखा है। आमिर के मुताबिक अगर आप 70 और 80 के दशक की फिल्मों को देखें तो उसके बाद से फिल्में और बेहतर हुई हैं ऐसे में अगर मेहनत की जाए तो और बेहतर हो सकती हैं। आमिर ने कहा जब हम 1988 में आए थे तो उस वक्त फिल्मों की संख्या बहुत कम थी। उसके बाद से हमने तरक्की की है। 90 के दशक के बाद जब 2000 आया तो दर्शक बदल गए। वह बहुत खुले हुए और दूसरी तरह की सामग्री देखना चाहते थे।

एक अच्छी फिल्म बना लूं यही बहुत है

आमिर से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की मौजूदा हालत को बदलने के लिए क्या करना चाहते हैं? इस पर उन्होंने कहा मैं बस वही करना चाहता हूं जो मैं कर रहा हूं और वही कहानियां बताना चाहता हूं जिन पर मेरा यकीन है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपने बारे में कोई बड़ी राय रखता हो कि मैं चीजों को बदल सकता हूं। मैंने कभी अपने बारे में ऐसी राय नहीं रखी। फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। मैं एक फिल्म ही अच्छे से बना लूं वही मेरे लिए बड़ी बात है।

सितारे जमीन पर में नजर आएंगे आमिर खान

आपको बता दें कि आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म तारे जमीन पर की सीक्वल है। फिल्म में आमिर खान का किरदार एक बॉस्केटबॉल कोच का है। फिल्म विकलांग लोगों पर आधारित है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

स्टारडम को सोचकर फिल्में नहीं चुनता

मलयालम सिनेमा के जाने-माने स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन ने हिंदी के दर्शकों के दिलों में भी अपनी खास जगह बनाई है। प्रभास के सलार में उन्हें बहुत पसंद किया गया। आडुजीवितम- द गोट लाइफ में उनके किरदार और इसके लिए उनकी मेहनत को देख खूब तालियां बजाई गईं। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही वह एक सफल डायरेक्टर भी हैं। उन्होंने बतौर डायरेक्टर अपनी डेब्यू फिल्म लूसिफर (2019) से सफलता के रेकॉर्ड बनाए। अब इसके सीक्वल और सुपरस्टार मोहनलाल स्टारर एल 2- एम्पुरान से उन्होंने मलयालम सिनेमा को अब तक की सबसे बड़ी हिट दी है। पृथ्वीराज कहते हैं कि एक्टिंग उनका पहला प्यार है। फिर चाहे कल को पैसा मिले या ना मिले, वह एक्टिंग करते रहेंगे। डायरेक्टर वह बस पार्ट टाइम के तौर पर बने हैं।

आप एक्टिंग के महारथी हैं, ऐसे में लूसिफर से डायरेक्शन में कैसे उतरे? एक्टिंग और डायरेक्शन में से ज्यादा संतुष्टि किसमें मिलती है?

मैं मूल रूप से एक्टर हूं। मेरा मेन क्राफ्ट एक्टिंग है। डायरेक्टर मैं पार्ट टाइम हूं। हालांकि, मेरा मानना है कि सिनेमा रूपी आर्ट फॉर्म में सबसे ज्यादा क्रिएटिविटी आप डायरेक्शन में ही कर पाते है, क्योंकि आखिर में डायरेक्टर ही तय करता है कि ऑडियंस क्या देखने वाली है। रचनात्मकता का यह हाई पॉइंट मैं एंजॉय करता हूं। मुझे फिल्म से जुड़े फैसले लेने की इस आजादी में मजा आता है, लेकिन मुझे पक्का यकीन है कि मैं यह लगातार नहीं कर सकता। मैं एक एक्टर हूं और मुझे सेट पर रोज एक किरदार को निभाने में मजा आता है। डायरेक्शन कभी-कभार के लिए ठीक है, क्योंकि जिस तरह से मैं फिल्म बनाता हूं, मुझे बहुत वक्त लगता है।

मलयालम सिनेमा अपने कॉन्टेंट के लिए जाना जाता है, मगर एल 2: एम्पुरान में जैसे भव्य सीन आपने फिल्माए हैं, वो अमूमन तेलुगू-तमिल फिल्मों में देखने को मिलते हैं। क्या यह मलयालम सिनेमा को भी ग्लोबल बनाने की ओर एक कदम है?

ये भव्यता या विजुअल अपील जो कहानी पेपर पर लिखी है, उसका बाय-प्रोडक्ट है। ऐसा नहीं है कि मैंने सोचा कि मुझे एक भव्य फिल्म बनानी है, फिर उस हिसाब से यहां-वहां सीन शूट किया। यह स्केल और विजुअल लैंग्वेज कहानी के आधार पर तय हुई है। यह कहानी वैसी है कि फिल्म को बहुत सारे लोकेशन पर शूट करना इसकी मांग थी। इसकी मांग थी कि यह भव्य दिखे। बस, मेरा तरीका यह है कि मैं रियल लोकेशन में शूट करने में यकीन रखता हूं। मैं कंप्यूटर ग्राफिक्स का कम से कम इस्तेमाल करना पसंद करता हूं। मेरी कोशिश रहती है कि जितनी चीजें हम रियल कर सकें, वो करें। हालांकि, इसमें ज्यादा मेहनत लगती है, मगर इस फिल्म में भी मैंने ज्यादातर लोकेशन, विजुअल्स और स्टंट्स रियल रखे हैं, क्योंकि उसका प्रभाव अलग होता है।

आपने बताया था कि आप सुपरस्टार रजनीकांत को डायरेक्ट करने का मौका चूक गए। क्या आगे उन्हें डायरेक्ट करना चाहेंगे? वहीं, मोहनलाल जैसे स्टार को डायरेक्ट करने का अनुभव कैसा रहा?

निश्चित तौर पर मैं कभी ना कभी रजनीकांत सर को डायरेक्ट करना चाहूंगा, लेकिन यह तभी होगा, जब कोई ऐसी कहानी मिले जो मुझे लगे कि हां, यह रजनीकांत सर को डिजर्व करती है। वहीं, मोहनलाल सर हमारे सबसे बड़े स्टार हैं, लेकिन सेट पर वह इस बात को भूलना बहुत आसान बना देते हैं। वह खुद को डायरेक्टर और कहानी के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देते हैं कि आपको बस किरदार याद रहता है। आप ये भूल जाते हैं कि वह कितने बड़े स्टार हैं। दूसरे, वह बहुत ही गिफ्टेड अभिनेता हैं, तो उससे भी बहुत मदद मिलती है। एल 2 उनके साथ मेरी तीसरी फिल्म है। बतौर डायरेक्टर मेरी तीनों फिल्मों में वह लीड एक्टर हैं और यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि मैं उन्हें तीन फिल्मों में डायरेक्ट कर पाया।

आपने कई साल पहले अय्या और हाल ही में बड़े मियां छोटे मियां जैसी हिंदी फिल्में कीं। इन फिल्मों को चुनने का अप्रोच क्या रहता है?

मैं खुशनसीब हूं कि मेरी कहीं पर भी किसी तरह की इमेज नहीं है। मलयालम में भी लोगों को ये आदत पड़ चुकी है कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। जो लोग मेरी फिल्मोग्राफी को फॉलो करते हैं, वे जानते हैं कि मेरा कोई सेट पैटर्न नहीं है। मैं जैसी फिल्में करता हूं, आप ये अनुमान नहीं लगा सकते कि मैं अगली फिल्म क्या करूंगा। मैं बस अपने दिल की सुनता हूं। जो स्क्रिप्ट मुझे वह पसंद आती है और मुझे लगता है कि वह अलग तरह की फिल्म है, भले मैं उसमें विलन हूं, मगर मुझे पसंद हो तो मैं करूंगा। मैंने कभी यह सोचकर फैसला नहीं लिया कि इससे मेरे स्टारडम पर क्या असर पड़ेगा। यह मेरा पैरामीटर कभी नहीं रहा।

आने वाले दिनों में आप करण जौहर की सरजमीं और राजामौली की अगली फिल्म भी कर रहे हैं। वे कितनी मायने रखती हैं?

मैं सभी कमाल के फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहता हूं, मगर यह वे फिल्में हैं जो ऑफिशली अनाउंस नहीं हुई हैं। अभी भी उनको लेकर चर्चा चल रही है कि आगे कैसे बढ़ना है, तो एक बार जब कंफर्मेशन आ जाएगी तब उसके बारे में बात करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।